रजिस्ट्री सं० डी०ए० ल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5078] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 26, 2018/पौष 5, 1940
No. 5078] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 26, 2018/PAUSHA 5, 1940

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 2018

का.आ. 6319(अ).—प्रारूप अधिसूचना भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 2202 (अ), तारीख 31 मई, 2018 द्वारा भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित की गई थी जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनको उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसको उक्त अधिसूचना की राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं, साठ दिन की अवधि के भीतर, आपत्ति और सुझाव आमंत्रित किए गए थे;

और, उक्त प्रारूप अधिसूचना की राजपत्र की प्रतियां जनता को तारीख 31 मई, 2018 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और, प्रारूप अधिसूचना के प्रत्युत्तर में व्यक्तियों और पणधारियों से प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर सम्यक रूप से विचार किया गया था;

और, बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान राज्य के भरतपुर जिला में स्थित है जो क्षेत्र **204.16 वर्ग किलोमीटर** में फैला हुआ है और अभयारण्य भरतपुर से 45 किलोमीटर, फतेहपुर सिकरी से 76 किलोमीटर और धौलपुर जिला से 78 किलोमीटर में स्थित है;

और, अभयारण्य में शुष्क पर्णपाती वन है और महत्वपूर्ण वनस्पति में *अकाकिया केटेचु* (खैर), *अकाकिया सेनेगल* (कुमथा, सफेद खैर, खैरी), *एगले मार्मेलोस* (बील, बेल), *अल्बिज़िया लेबेक* (काला सिरस), *एनोगेसिस लैटिफोलिया* (धावाडा, सफेद धोंक), *एंथोसेफलस कैडम्बा* (कदम), *अज़ादिराचता इंडिका* (नीम), *एइलांथस एक्सेल*

(अरदु), *बालाइट्स एजिपटिका* (हिंगोटा), *बुटिया मोनोस्पर्मा* (*ढाक, छिला, पलाश, खाखरा*), *कैपरिस डेसिडुआ* (करिल, केर), *कैपरिस सेपियारिया* (हिंस), *डिन्ड्रोस्टैचिस सिनेरिया* (*गोया खैर*), *कॉर्डिया मैक्सा* (लसोडा), *कैसिया फिस्टुला* (अमलातास), *कॉर्डिया रोथि* (गोंडी, गुंडी), *डेलोनिक्स रेगिया* (गुलममोहर), *डिओस्पिरोस कॉर्डियाटा* (बीरबिडा), *एम्ब्लिका ऑफिसिनालिस* (अमला), *यूफोरबिया नेरिफोलिया लिनन* (डंडा थोर), *फिकस कॉर्डिफोलिया लिनन* (पारस पिपल), *फिकस ग्लोमेराटा इन.* (गुलर), *फिकस रेलिगिओसा लिनन.* (पीपल), *फिकस हिसपिडा* (गुलर), *होलोप्टेलिया इंटेग्रिफोलिया* (चुराले, पापदी), *इंगा डुलसीस* (जंगल जलेबी), *लनेया कोरोमंडेलिका* (गुर्जन), *मेलिया अजेदारैच* (बाकैन), *मिलिंग्टोनिया हॉर्टेंसिस* (नीमचमेली, आकाश नीम), *नायकटानथेस अरबोर ट्रिसटिस* (हर श्रृंगार), *फीनिक्स सायलवेस्ट्रीस* (खजूर), *प्रोसोपिस सिनेरारिया* (खेजादा, खेजादी), *प्रोसोपिस जुलीफ्लोरा* (विलायती बबूल), *यूकैलिप्टस एसपीपी* (सफेदा), *सायजिगियम कुमिनीली* (जामुन), *तामरिंडस इंडिका* (इमली), *तमरिक्स अफाइला* (फराश), *टेकोमेला अंडुलाटा* (रोहदा, रोहिदा), टर्मिनलिया अर्जुन (अर्जुन), *ज़िज़िफस मॉरीटियाना* (बेर), आदि शामिल है। जबकि *अबुटिलॉन ब्यूरेंटैटम रिचे* (पीथारी), *एन्थोस्पर्मम हिपिडम* (कांती), *अच्यंत्रेश एस्पेरा लिनन* (अंधिझरा, उपनारंग, उगा), *अधाटोडा वासिका* (एडुसा), *अर्वा स्यूडो टोमेंटोसा* (बुई), *अमरैंटस पॉलीगामस लिनन.* (जंगल चोलाई), *एंड्रोग्राफिस पैनिकुलाटा* (कालमेघ), *आर्गेमोन मेक्सिकाना लिनन.* (सत्यनशी, पीली काटेरी), *कैलोट्रोपिस प्रोसेरा आर.बीआर.* (आक, आंकदा), *सेंटेला एशियाटिका लिनन.* (ब्रह्मिनबुटी, ब्रह्मी), *कमेलिना बेंगलेंसिस लिनन* (बोक्का/कानाधोंकना), *दतुरा स्ट्रैमोनियम* (धतुरा), *यूफोरबिया हिर्ता* (दुधी), *ग्रुविया टेनैक्स* (गैंगरेना, गंगान, चवेनी), *ग्रुविया विलासा वाइल्ड.* (बान फालसा), *हेलिसटेरेस इसोरा लिनन.* (मारोडफली), *इंडिगोफेरा होचस्टेटर* (बेकरीयो), *इंडिगोफेरा टिनक्टोरिया* (नील), इपोमेना कार्नेआ (विलायती आंकडा), *किरगेलिया रीटिकुलेट* (कामबोई), *लॉसनिया इनर्मिस लिनन.* (मेहंदी), *लेपिडागैथिस कुस्पीडेट* (अन्तेंट्री), *नेरियम इंडिकम* (लालकनेर), *ओसीम अमेरिकन लिनन* (बापची, नागदबापची, बंटुल्सी), *ओपंटिया डिलेंनी* (नागाफनी), *उर्जिनिया इंडिका कुंथ.* (कोलिकांडा, जंगली पयाज), *ऑक्सलिस कॉर्निकुलता लिनन.* (त्रिपति, खट्टी बुटी), *सिडा रोडिफोलिया लिनन.* (स्वेट बडेला), *थीस्पीस लैम्पास डेलोजो.* (वान कपास), ट्रैपा बिस्पिनोसा रोक्सब. (सिंघाडा), आदि है;

और, अभयारण्य से महत्वपूर्ण पवर्तरोही, जड़ी-बूटी और घास जैसे *कैपरिस ज़ेलेनिका लिनन.* (मोरेडा), *सिसामपेलोस पैरेइरा लिनन.* (पहदबेल, पहदमुल), *क्रिप्टोस्टेगेया ग्रैंडिफ्लोरा आर.बीआर.* (दुधि, मेधा), *ग्लोरियोसा सुपरबा लिनन.* (ग्लोरियोसा), *लुफा एकुटंगुला वार. अमारा क्लार्क.* (तुराई (कदवी), *मोमोर्डिका डाइओका रोक्सब.* (कंकोडा), *मुकुना प्रीटा (एल.) डीसी.* (कोंच), *टिनसपोरा कॉर्डिफोलिया माइर्स* (नीम गिलॉय), *ट्राइकोसेंथेस ब्रैक्टिएटा लैमक.* (कुंडल), *ज़िज़िफस ओनोप्लिया मिल.* (मकोह), *अरिस्टिडा हाइस्ट्रिक्स लिनन.* (लैनप्ला (सफेड), *अरुंडो डोनैक्स लिनन.* (नारकुल), *बोथ्रियोलोआ पेतुसा, कैमस.* (कराड, चोटी जर्गा), *सेनक्रस कैप्निस, लिनन.* (धामन), आंजन), *क्लोरीस इंफ्लेट* (कालीचडकाली), *क्लोरीस रोक्सबर्गिया* (बक्कली बीबाई), *क्राइसोपोगोन फुलवस* (गोरीया, सेदुआ, सिराण), *कुस्कटा रिफ्लेक्सिया रोक्सब.* (अमरबेल, आकाशबेल), *साइंबोपोगन मार्टिनी* (रोशा, रोजा घास), *साइपरस कॉमप्रेसस* (मोथा, नागर मोथा), *क्राइसोपोगोन फुलवस* (गोरीया), *देसोस्टाच्य बिपिन्नाटा लिनन* (दाब, कुश), *डिचेंथियम एनालैटम* (फोर्स्ट) स्टेफ. (कराड, जर्गा), *डिजीटरिया बायोर्निस* (बिन्करदा), *एरेग्रोस्टिला बिफरिया* (जोंडिली), *एरेमोपोगोन फव्वोलैटस* (बुहारी), *इम्पेराटा सिलेंडरिका, लिन.* (सिरू),

इस्लेज्मा लक्ष्मण, हैक. (गंधेल), *ऑरोपेटियम थॉमियम, लिनन.* (सुसाचुन्ति), *सेहिमा नकवोसम* (सिरान, सिन), *थेमेडो क्वाड्रॉर्विसविस, ओ. केट्ज़.* (रातरदा), *टैर्गस बिफोरस, रोक्सब.* (सीताघास), *सोरघम हेलपेंस* (बाद, बरदी), आदि अभिलिखित की गई है;

और, अभयारण्य में विविध जीवजन्तु के साथ वास है जिसमें *सुस स्क्रोफा क्रिस्टेटस* (भारतीय बनैला सूअर), *फ़ेलिस कैराकल* (कैराकल), *फ़ेलिस चॉस* (जंगली बिल्ली), *गैज़ेला गैज़ेल* (चिंकारा या इंडियन गैज़ेल), *एक्सिस एक्सिस* (चीतल या चित्तीदार हिरण), *वल्प्स बेंगलेंसिस* (भारतीय लोमड़ी), *बोसेलफस ट्रागोकामेलस* (ब्लू बुल निलगाई), *फेलिस बेंगलेंसिस* (बिल्ली-तेंदुआ), *लेपस निग्रिकोलिस डेनानम* (हेर डिजर्ट), *हेमीचिनस ऑरिटस* (हेजहोग लांग ईयर), *हैयना हैयना* (धारीदार हेयना), *कैनिस ऑरियस* (सियार), *प्रेस्बिटीस एंटेलस* (लंगुर-सामान्य), *हर्पेस्टेस एडवर्ड्स* (सामान्य नेवला), *मकाका मुल्ट्टा* (बंदर या रीसस मैकाक), *मैनीस क्रैसिकाडाटाटा* (भारतीय साही), *हाइस्ट्रिक्स इंडिका* (पोर्क्यूपिन-इंडियन), *मेलियोवोरा कैपेन्सिस* (रटेल या हनी बैजर), *सर्वस यूनिकोलर* (सांभर), *सनकस मुरिनस* (श्रेव ग्रे मस्क या मुस्क्राट), *कैनिस लुपस* (भेड़िया) आदि शामिल है। जबकि अभयारण्य में लुप्तप्राय प्रजाति इंडियन पांगोलिन (*मनीस क्रैसिकाडाटाटा*), संकटापन्न प्रजाति धारीदार हेयना (हैयना हैयना) पायी जाती है;

और, अभयारण्य में मुख्य पक्षी जीव *रिकूरविरोस्ट्रा एवोसेटा* (एवोकेट), *मेरप्स पर्सिकस* (ब्लू चिक्ड बी ईटर), *मेरोप्स लेस्चेनॉल्टिया* (चेस्टनट हेडेड बी ईटर), *मेरप्स ओरिएंटलिस* (स्मॉल ग्रीन बी ईटर), *कोरासिआस बेंगलेंसिस* (ब्लू जे इंडियन रोलर), *लुसिनिया सेवेसिका* (ब्लू थ्रोट), *हियरोकॉक्सीक्स वेरियस* (ब्रेन फिवर बर्ड), *पिकोनोटोटस कैफर* (बुलबुल रेड वेंटेड), *एम्बेरिज़ा मेलानसेफला* (बंटिंग ब्लैक हेडेड), *मेलोफस लाथमी* (क्रेस्टेड बंटिंग), *सैक्सिकोला टोरक्वटा* (बुशचैट कॉलरेड), *सैक्सिकोला कैपराटा* (बुशचैट पाइड), *बुस्टार्स्ट टीज़* (व्हाइट आइड बज़र्ड), *अरगीआ कौडेट. डमोंट* (कॉमन बाबलर), *फ़ुलिका एट्रा* (कुट), *मेगाइमा हेमसेफाला* (कॉपरस्मिथ बार्बेट), *फालाकोक्रोरैक्स कार्बो* (लार्ज कॉर्मोरेंट), *सेंट्रोपस सीनेन्सिस* (काउंसिल क्रो फिजेंट), *युडैमिनेस स्कोलोपैसियस* (कोयल), *कोरासिना मैजेज़ी* (लार्ज कोयल श्रीके), *अनिंगा मेलानोग्स्टर* (डार्टर या स्नेक बर्ड), *पॉडिसप्स रूफिकोलिस* (डैचिक या ग्रेबे लिटिल), *स्ट्रेप्टोपेलिया डेकाओक्टो* (लिटिल ब्राउन डोव), *स्ट्रेप्टोपेलिया चिनेंसिस* (डोव स्पॉटेड), *डिक्रूरस मैक्रोक्रस* (ड्रॉन्गो या किंग क्रो), *कैसाका फेरगिनिया* (बतख ब्राह्मण/रड्डी शेल्डक), *सर्किडियोरिस मेलेनोटोस* (डक कॉम्ब), *अनास पोसिलोरोरिंका* (स्पॉट-बिलड डक), *स्पाइज़ेटस सर्फैटस* (क्रेस्टेड हॉक ईगल), *बुबुलकस इबिस* (एगेट कैटल), *एग्रेट्टा इंटरमीडिया* (मेडियन एगरेट), *फाल्को जगर* (फाल्कन लैगर), *टेर्सिपोफोन पैराडाइस* (फ्लाईकैचर), *फ़िसिड्युला परवा* (फ्लाईकैचर रेड-ब्रेस्टेड), *रिपिड्युरा ऑरियोला* (फ्लाईकैचर व्हाइट टेल), *बुरिनस ओडेनिकमस* (कर्लेव स्टोन), *सर्कस मैक्रोरस* (पाल हैरियर), *आर्देया सिनेरेरिया* (हेरॉन ग्रे), *डेमी एग्रेट्टा आशा* (इंडियन रीफ हेरॉन), *निक्टिकोरैक्स नाइटिकोरैक्स* (हेरॉन नाइट), *आर्देओला ग्रेई.* (पॉण्ड हेरोन पैडी बर्ड), *आर्देआ पुरपुरेया* (हेरोन परपल), *कोरवस स्पलेंडेंस* (हाउस क्रो), *स्यूडिबिस पेपिलोसा* (इबिस ब्लैक), *थ्रेस्कीर्निस मेलानोसेफलस* (इबिस व्हाइट), *हाइड्रोफैसियनस चिरुगस* (जैकना फिजेंट टेलड), *कोरासिना मेलानोपटेरा* (जंगल क्रो), *गैलोपर्डिक्स स्पैडिसिया* (जंगल फाउल रेड स्पूर), *हैम्फेलिसन* (किंगफिशर ब्राउन), *हैल्सीन स्मरिनेन्सिस* (किंगफिशर व्हाइट ब्रेस्टेड), *हलीस्टुर इंडस* (काइट ब्राह्मणी), *मिल्वस माइग्रन्स* (कॉमन पैरियाह काइट), *लोबी वेनेलस इंडिकस* (लैपिंग रेड वाटटल), *गैलेरिडा क्रिस्टाटा* (क्रेस्टेड लार्क), *मिराफ्रा कैंटिलन्स* (सिंगिंग बुशलार्क),

हिरंडो कंसोलर (डस्की क्रैग मार्टिन), *स्टर्नस पागोदरम* (ब्राह्मणी मैना), एक्रिडोथेरेस ट्रिस्टिस (मैना सामान्य), *कैप्रिमल्गस एशियाटिकस* (कॉमन इंडियन नाइटजर), *अलाउडा गुलगुला* (ओरिएंटल स्काइलार्क), *ओरोलस ऑरियोलस* (ओरिओल गोल्डन), *ओरोलस एक्संथोरनस* (ब्लैक हेड ओरिओल), *बुबो कोरोमंडस* (डस्की हॉर्नड उल्लू), *बुबो बुबो* (आउल डस्की इंडियन ग्रेट हॉर्नेड), *फ्रैंकोलिनस फ्रैंकोलिनस* (पार्ट्रिज ब्लैक), *फ्रैंकोलिनस पांडिसेरियनस* (पार्ट्रिज ग्रे), *पावो क्रिस्टेटस* (कॉमन पिफौल), *कोलंबिया लाइविया* (ब्लू रॉक पिजन), *एंथस रिचर्ड* (पिटपिट इंडियन), *चाराड्रिअस डबियस* (रिंगेड प्लोवर लिटल रिंग प्लोवर), *पोर्फिरियो पोर्फिरियो* (परपल मुरहेन), *फीनिक्यूरस ओक्रुरोस* (रेड स्टार्ट), *सैक्सिकोलाइड्स फुलिकाटा लिनन.* (रॉबिन इंडियन), *कॉप्सिचस साउलेरिस* (रॉबिन मैग्पी), *स्टर्नस रोसेस* (रोसी पासटर या रोज़ी स्टार्लिंग), *ट्रिंगा ग्लैरोला* (सैंडपाइपर स्पॉटेड), *अस्टुर बैडियस* (शिकरा), *प्लाटालेला ल्यूकोरोडिया* (स्पूनबिल), *हिमंतोपस हेनटोपस* (स्टिल्ट ब्लैक-विंगेड), *लेप्टोपिलोस डबियस* (ग्रेटर एडजुटेंट), *एफिपियोरिंचस एशियनैटस* (स्टोर्क ब्लैक नेक्ड), *माइक्टेरिया लियूकोसेफाला* (स्टोर्क-पेंटेड), *सिकोनिया सिकोनिया* (स्टोर्क-व्हाइट), *डिसौरा एपिस्कोपस* (व्हाइट नेक्ड स्टोर्क), *बुरिनस ओडेनिकमस* (स्टोन कर्लेव), *सिन्नीरिस एशियाटिकस* (सनबर्ड परपल), *अपुस एफ़िनिस* (इंडियन हाउस स्विफ्ट), *ऑर्थोटॉमस सूटोरियस* (टेलरबर्ड), *अनास क्रेक्का* (कॉमन टील डक), *नेटटापस कोरोमंडेलियनस* (टील कॉटन), *पारस मेज़र* (ग्रे टिट), *डेंडरोकिटा वेगाबुंडा* (ट्री पाई), *सरकोगीप्स कैल्वस* (वल्चर किंग), *जिप्स बेंगलेंसिस* (वल्चर व्हाइट बैकड), *मोटासिला सिनेरेरा* (वाग्टेल ग्रे), *एमोरोरॉर्निस फोएनिक्यूरस* (वॉटर हे व्हाइट ब्रेस्टेड), *प्लोसस फिलिपिनस* (कॉमन वीवर बर्ड), *ज़ोस्टरॉप्स पैल्पेब्रोसस* (व्हाइट आई), *ब्रैचिपर्नस बेंगलेंसिस* (वुडपिकर गोल्डन), *डेंडरो कोपोस मैरटेन्सिस* (वुडपिकर येलो) आदि मौजूद हैं ;

और, बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाऐं इस अधिसूचना के पैरा 1 में विनिर्दिष्ट हैं, पर्यावरण की दृष्टि से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में सुरक्षित और संरक्षित करना और उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों के वर्गो के प्रचालन और प्रसंस्करण करने को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजस्थान राज्य के जयपुर जिला में बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 25 मीटर से 1 किलोमीटर तक विस्तारित क्षेत्र को बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :--

1. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और सीमाएं**.-(1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर **25 मीटर से 1 किलोमीटर** तक विस्तृत है और पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्रफल **173.92 वर्ग किलोमीटर** है।

(2) बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य और पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण **उपाबंध-I** में दिया गया है।

(**3**) सीमा विवरण और अक्षांशों एवं देशांतरों के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के संरक्षित क्षेत्र का मानचित्र **उपाबंध-II क, उपाबंध-II ख, उपाबंध-II ग, उपाबंध-II घ, उपाबंध-II ङ और उपाबंध-II च** के रुप में संलग्न है।

(4) बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भू-निर्देशांकों की सूची क्रमशः **उपाबंध III** के सारणी **क** और सारणी **ख** में दी गई हैं।

(5) मुख्य बिंदुओं के भू-निर्देशांकों के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची **उपाबंध IV** के रूप में संलग्न हैं।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना.– (1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजन के लिए राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए आंचलिक महायोजना तैयार करेगी।

(2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आचंलिक महायोजना ऐसी रीति से जो इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किए गए है के अनुसार तथा सुसंगत केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरुप और केंद्रीय सरकार द्वारा जारी मार्गनिर्देशों, यदि कोई हों, के अनुरूप तैयार होगी।

(3) आंचलिक महायोजना, उक्त योजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय बातों को समाकलित करने के लिए राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से तैयार होगी, अर्थात्:--

(i) पर्यावरण;
(ii) वन;
(iii) शहरी विकास;
(iv) पर्यटन;
(v) नगरपालिका;
(vi) राजस्व;
(vii) कृषि;
(viii) राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड;
(ix) सिंचाई;
(x) लोक निर्माण विभाग।

(4) आंचलिक महायोजना अनुमोदित विद्यमान भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई निर्बंधन अधिरोपित नहीं करेगी जब तक कि इस अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो और आचंलिक महायोजना सभी अवसंरचना और क्रियाकलापों में जो अधिक दक्षता और पारिस्थितिकी अनुकूल हों का संवर्धन करेगी।

(5) आंचलिक महायोजना में अनाच्छादित क्षेत्रों के जीर्णोद्धार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भूतल जल के प्रबंधन, मृदा और नमी संरक्षण, स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी और पर्यावरण से संबंधित ऐसे अन्य पहलुओं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है, के लिए प्रबंध होंगे।

(6) आंचलिक महायोजना सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों और नगरीय बंदोबस्तों, वनों के प्रकार और किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, हरित क्षेत्र जैसे उद्यान और उसी प्रकार के स्थान, उद्यान बागवानी क्षेत्र, फलोउद्यान, झीलों और अन्य जल निकायों और मानचित्र के समर्थन के साथ भी सीमाकंन करेगी और इस योजना के मानचित्र के द्वारा समुचित विद्यमान और प्रस्तावित भूमि उपयोग विशेषताओं को ब्यौरे होगा।

(7) आंचलिक महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन में विकास को विनियमित करेगी और सारणी के पैरा 4 में सूचीबद्ध प्रतिषिद्ध और विनियमित क्रियाकलापों का अनुपालन करेगी और स्थानीय समुदायों के पारिस्थितिकी अनुकूल विकास के लिए जीवकोपार्जन को सुरक्षित करने के लिए सुनिश्चित करेगी।

(8) उक्त महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन में विकास को इस प्रकार विनियमित करेगी जिससे स्थानीय समुदायों की आजीविका की सुरक्षा के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल विकास को सुनिश्चित किया जाएगा।

(9) इस प्रकार अनुमोदित आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार निगरानी के अपने कार्यों को करने के लिए निगरानी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज होगी ।

3. **राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय.-** राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:--

(1) **भू-उपयोग.-** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, बागवानी क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के प्रयोजन के लिए चिन्हित किए गए पार्कों और खुले स्थानों का वाणिज्यिक या आवासीय प्रक्षेत्र या औद्योगिक क्रियाकलापों के लिए उपयोग या संपरिवर्तन नहीं होगा:

परंतु पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन, निगरानी समिति की सिफारिश पर और राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से, स्थानीय निवासियों की आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए और क्रियाकलापों को पूरा करने के लिए अनुज्ञात होंगे, जैसे:-

(i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ करना तथा नई सड़कों का संनिर्माण;

(ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;

(iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;

(iv) कुटीर उद्योगों जिनके अंतर्गत ग्रामीण उद्योग भी हैं; सुविधाजनक भण्डार और स्थानीय सुविधाओं सहायक पारिस्थितिकी पर्यटन में सम्मिलित गृह वास; और

(v) संवर्धित क्रियाकलाप पैरा 4 के अंतर्गत दिया गया है:

परंतु यह और भी कि क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम और राज्य सरकार के अन्य नियमों और विनियमों के अंतर्गत और संविधान के अनुच्छेद 244 और तत्समय प्रवृत्त विधि के उपबंधों के अनुपालन के बिना, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी है, वाणिज्यिक या उद्योग विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का उपयोग अनुज्ञात नहीं होगा:

परंतु यह और भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भू-अभिलेखों में उपसंजात कोई त्रुटि, निगरानी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार संशोधित होगी और उक्त त्रुटि के संशोधन की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी:

परंतु यह और भी कि उपर्युक्त त्रुटि का संशोधन में इस उप पैरा के अधीन यथा उपबंधित के सिवाय किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन सम्मिलित नहीं होगा:

परंतु यह और भी कि हरित क्षेत्र में जैसे वन क्षेत्र और कृषि क्षेत्र में कोई पारिणामिक कटौती नहीं होगी।

(ख) अनप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुन: वनीकरण करने के प्रयास किए जाएंगे ।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोतों.-** आचंलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक स्रोतों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण और पुनरुद्भूतकरण के लिए योजना सम्मिलित होगी और राज्य सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों पर या उनके निकट विकास क्रियाकलाप प्रतिषिद्ध करने के लिए ऐसी रीति से मार्गनिर्देश तैयार किए जाएंगे ।

(3) **पर्यटन**.- (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना के अनुसार आंचलिक महायोजना के लिए होगा ।

(ख) पर्यटन महायोजना राज्य पर्यटन विभाग द्वारा राज्य पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से तैयार होगी ।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना के एक घटक के रूप में होगी ।

(घ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नलिखित अधीन विनियमित होंगे, अर्थात् :-

(i) बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नये होटल और रिसोर्ट का निर्माण अनुज्ञात नहीं होंगे:

परंतु, वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक होटलों और रिसोर्ट का स्थापन केवल पूर्व परिनिश्चित क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए ही अनुज्ञात होगा;

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर सभी नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पारिस्थितिकी पर्यटन पर जोर देते हुए केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मार्गदर्शक सिद्धांतों के द्वारा तथा राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण, द्वारा जारी पारिस्थितिकी पर्यटन (समय-समय पर यथा संशोधित) मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार, होगा;

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन किए जाने तक, पर्यटन के लिए विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार वास्तविक स्थल विनिर्दिष्ट संवीक्षा तथा निगरानी समिति की सिफारिश पर सम्बद्ध विनियामक प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और किसी नए होटल/रिर्सोट या वाणिज्यिक स्थापनों के संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी ।

(4) **नैसर्गिक विरासत.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में महत्वपूर्ण नैसर्गिक विरासत के सभी स्थलों जैसे सभी जीन कोश आरक्षित क्षेत्र, शैल विरचनाएं, जल प्रपातों, झरनों, घाटी मार्गों, उपवनों, गुफाएं, स्थलों, भ्रमण, अश्वरोहण, प्रपातो आदि की पहचान की जाएगी और उन्हें संरक्षित किया जाएगा तथा उनकी सुरक्षा और संरक्षा के लिए इस अधिसूचना के अंतिम प्रकाशन की तारीख से छह मास के भीतर, उपयुक्त योजना बनाएगी और ऐसी योजना आंचलिक महायोजना का भाग होगा ।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में में भवनों, संरचनाओं, शिल्प-तथ्य, ऐतिहासिक, कलात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों और उपक्षेत्रों की पहचान की जाएगी और इस अधिसूचना के अंतिम प्रकाशन की तारीख से छह मास के भीतर उनके संरक्षण की योजनाएं तैयार करनी होंगी तथा ऐसी योजना आंचलिक महायोजना में सम्मिलित की जाएगी ।

(6) **ध्वनि प्रदूषण.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण का पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986, के अधीन ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 जैसा कि समय समय पर संशोधित किया जाय के अनुसार अनुपालन किया जाएगा ।

(7) **वायु प्रदूषण.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) के उपबंधों और उसके अधीन बनाये गये नियमों जैसा कि समय समय पर संशोधित किया जाय के अनुसार अनुपालन किया जाएगा ।

(8) **बहिस्राव का निस्सारण**.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिस्राव का निस्सारण, जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 (1974 का 6) और समय समय पर यथा निर्धारित उसके अधीन बनाए गए नियमों जैसा कि समय समय पर संशोधित किया जाय के उपबंधों के अनुसार होगा ।

(9) **ठोस अपशिष्ट**.- ठोस अपशिष्टों का निपटान और प्रबंधन निम्नलिखित रूप में होगा—

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्टों का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), तारीख 8 अप्रैल, 2016 ठोस अपशिष्ट प्रबंध नियम, 2016 के तहत प्रकाशित के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ;

(ख) स्थानीय प्राधिकरण जैव निम्नीकरणीय और अजैव निम्नीकरणीय संघटकों में ठोस अपशिष्टों के संपृथक्कन के लिए योजनाएं तैयार करेंगे ;

(ग) जैव निम्नीकरणीय सामग्री को अधिमानतः खाद बनाकर या कृमि खेती के माध्यम से पुनःचक्रित किया जाएगा ;

(घ) अकार्बनिक सामग्री का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन के बाहर पहचान किए गए स्थल पर किसी पर्यावरणीय स्वीकृत रीति में होगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्टों को जलाना या भष्मीकरण अनुज्ञात नहीं होगा।

(10) **जैव चिकित्सीय अपशिष्ट**.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सीय अपशिष्टों का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं. सा. का. नि. 343 (अ) तारीख 28 मार्च 2016 द्वारा यथा संशोधित प्रकाशित जैव चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंध नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन**.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंध का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 द्वारा प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंध नियम 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(12) **संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन**.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंध भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सा.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 द्वारा प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस प्रबंध नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ।

(13) **ई–अपशिष्ट**.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई–अपशिष्ट प्रबंध का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा समय-समय पर यथासंशोधित ई–अपशिष्ट प्रबंध नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **यानीय परिवहन**.- परिवहन की यानीय संचालन आवास के अनुकूल रीति में विनियमित होंगी और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विनिर्दिष्ट उपबंध समाविष्ट किए जाएंगे और आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा के अनुमोदित होने तक, निगरानी समिति सुसंगत अधिनियमों तथा तदधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के अधीन यानीय संचलन के अनुपालन को मानीटर करेगी ।

(15) **यानीय प्रदूषण**.- वाहन प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण लागू विधियों के अनुसार किया जाएगा और स्वच्छक ईंधन उदाहरण के लिए सीएनजी, एलपीजी आदि के उपयोग के लिए प्रयास किए जाएगे ।

(16) **औद्योगिक ईकाइयां**.- (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर किन्ही नए प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

(ख) जब तक कि इस अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी दिशा मार्गदर्शक सिद्धांन्तों में उद्योगो के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की अनुज्ञा दी जाएगी और इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों का संवर्धन किया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों को संरक्षण**.- पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) आंचलिक महायोजना में पहाड़ी ढलानों पर क्षेत्रों को उपदर्शित किया जाएगा जहां किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी ।

(ख) कटाव के एक उच्च डिग्री के साथ विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों या ढलानों पर किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी ।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध और विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची - पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) के उपबंधों द्वारा समय समय पर यथा निर्धारित शासित होंगे और नीचे दी गई तालिका में विनिर्दिष्ट रीति में विनियमित होंगे, अर्थात् :-

सारणी

क्रम सं. (1)	क्रियाकलाप (2)	टीका-टिप्पणीयां (3)
	क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप	
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर की खदान और उनको तोड़ने की इकाइयां ।	(क) नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर की खानें और उनको तोड़ने की इकाइयां वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं जिसमें निजी उपयोग के लिए मकानों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए धरती को खोदना और मकान बनाने के लिए देशी टाइल्स या ईंटों का निर्माण करना भी सम्मिलित है, के सिवाय तत्काल प्रभाव से निषिद्ध की जाती है। (ख) खनन संक्रियाएं, माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) सं. 1995 का 202 टी.एन. गौडाबर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत सरकार के मामले में आदेश तारीख 4 अगस्त, 2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत सरकार के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के आदेश के अनुसरण में प्रचालन होगा ।
2.	प्रदूषण (जल या वायु या मृदा या ध्वनि) कारित करने वाले उद्योगों की स्थापना ।	(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में नए उद्योग लगाने और विद्यमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुज्ञा नहीं होगी। (ख) जब तक कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण

		नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर-प्रदूषण कुटीर उद्योगों की अनुज्ञा दी जाएगी और गैर प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जायेगा।
3.	बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
4.	किसी परिसंकटमय पदार्थों का उपयोग या उत्पादन या प्रसंस्करण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या क्षेत्र भूमि में अनुपचारित बहिर्स्राव का निस्सारण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
6.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा।
7.	ईंट भट्टों की स्थापना करना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
8.	मत्स्य ग्रहण।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी जल निकायों में वाणिज्यिक मत्स्य गृहण पूर्णतया वर्जित होगा। तथापि, स्थानीय समुदाओं द्वारा अपनी वास्तविक जीविका की आवश्कताओं के लिए मत्स्य गृहण किया जा सकता है।
9.	जलावन लकड़ी का वाणिज्यिक उपयोग।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
10.	नए काष्ठ आधारित उद्योग।	(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमाओं के भीतर नए काष्ठ आधारित उद्योग की स्थापना को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा : परंतु विद्यमान काष्ठ आधारित उद्योग विधि के अनुसार निरंतर बने रहेंगे : (ख) आरा मशीनों के लाइसेंस का नवीकरण उनके लाइसेंस की अवधि समाप्त् होने पर नहीं किया जाएगा।
ख.विनियमित क्रियाकलाप		
11.	वाणिज्यिक होटलों और रिसोर्टों की स्थापना।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों संबंधी लघु अस्थायी संरचनाओं के सिवाय संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नए वाणिज्यिक होटल और विश्राम स्थलों को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा: परंतु, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के आगे या उसके विस्तार तक, जो भी निकट हो के संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर से सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान क्रियाकलाप का विस्तार पर्यटन महायोजना और यथा लागू दिशानिर्देशों के अनुरूप होगा।
12.	संनिर्माण क्रियाकलाप।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी भी प्रकार के नये वाणिज्यिक संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी: परंतु स्थानीय लोगों को अपनी आवास सम्बन्धी निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पैरा 3 के उप पैरा (1) में

		सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने प्रयोग के लिए, अपनी भूमि में भवन उप-विधियों के अनुसार, संनिर्माण करने की अनुज्ञा होगी। (ख) गैर–प्रदूषणकारी लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित किए जाएंगे और वे न्यूनतम होंगे । (ग) एक किलोमीटर क्षेत्र से आगे ये आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे ।
13.	प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग ।	केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी उद्योगों में वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग और अपरिसंकट में, लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, उद्यान कृषि या पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्री से उत्पादों को उत्पन्न करने वाले कृषि आधारित उद्योग सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।
14.	वृक्षों की कटाई ।	(क) राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन, सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर या वनों में वृक्षों की कटाई नहीं होगी । (ख) वृक्षों की कटाई संबंधित केंद्रीय या राज्य अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार विनियमित होगे ।
15.	वन उत्पादों और गैर काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण (एनटीएफपी) ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
16.	विद्युत और दूरसंचार टावरों का परिनिर्माण और केबल बिछाना और अन्य बुनियादी ढांचे ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे (भूमिगत केबल बिछाए जाने को प्रोत्साहित जाएगा)।
17.	नागरिक सुख सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचे।	लागू विधियों के अनुसार न्यूनीकरण उपायों नियम, विनियमन और उपलब्ध दिशानिर्देशों के साथ किए जाएंगे।
18.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ करना तथा नवीन सड़कों का संनिर्माण ।	लागू विधियों के अनुसार न्यूनीकरण की उपायों के साथ, नियम, विनियमन और उपलब्ध दिशानिर्देशों के साथ विनियमित होंगे।
19.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे गर्म वायु गुब्बारें, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइटस आदि द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से उड़ना जैसे क्रियाकलाप करना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
20.	पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
21.	रात्रि में यानिक यातायात का संचलन ।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होंगे ।
22.	स्थानीय समुदायों द्वारा चल रही कृषि और बागवानी प्रथाओं के साथ दुग्ध उद्योग, दुग्ध उद्योग, कृषि और मछली पालन ।	स्थानीय लोगों के उपयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात होंगे ।

23.	फर्मों, कंपनियों आदि द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुधन संपदा और कुक्कुट फार्मों की स्थापना ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
24.	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में उपचारित बहिर्स्राव का निस्सारण ।	उपचारित जल निकायों में बहिर्स्राव के अपशिष्ट जल निस्सारण से बचा जाएगा और उपचारित अपशिष्ट जल के पुन:चक्रण और पुन:उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे और अन्यथा लागू विधियों के अनुसार उपचारित बहिर्स्राव के पुनर्चक्रण/प्रवाह के निर्वहन को विनियमित किया जाएगा।
25.	सतह और भूजल का वाणिज्यिक निष्कर्षण ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
26.	खुले कुंआ, बोर कुंआ, आदि कृषि और अन्य उपयोग के लिए ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे और सम्बद्ध प्राधिकारी द्वारा क्रियाकलापों की सख्ती से निगरानी की जाएगी।
27.	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
28.	विदेशी प्रजातियों को लाना ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
29.	पारिस्थितिकी पर्यटन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
30.	पोलिथीन बैगों का उपयोग ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
31.	वाणिज्यिक साइन बोर्ड और होर्डिंग्स ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे ।
	ग. संवर्धित क्रियाकलाप	
32.	वर्षा जल संचयन ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
33.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
34.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी को ग्रहण करना ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
35.	कुटीर उद्योगों जिसके अंतर्गत ग्रामीण कारीगर भी हैं ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
36.	नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत और ईंधन का उपयोग ।	बायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को सक्रिय रुप से बढ़ावा दिया जाएगा।
37.	कृषि वानिकी ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
38.	बागान लगाना और जड़ी बूटियों का रोपण ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
39.	पारिस्थितिकी अनुकूल परिवहन का उपयोग ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
40.	कौशल विकास ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
41.	निम्नीकृत भूमि या वन या का जीर्णोद्धार ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।
42.	पर्यावरणीय जागरुकता ।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा ।

5. निगरानी समिति.- केंद्रीय सरकार, अधिसूचना के प्रावधानों के प्रभावी निगरानी के लिए एक निगरानी समिति का गठन करेगी जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात् :-

क्र.सं.	निगरानी समिति का गठन	पद
1.	जिला कलक्टर, भरतपुर	अध्यक्ष;
2.	जिला कलक्टर, करौली का प्रतिनिधि	सदस्य;
3.	राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड के सदस्य सचिव या सदस्य	सदस्य;
4.	पुलिस अधीक्षक, भरतपुर	सदस्य;
5.	राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे गैर-सरकारी संगठन का एक प्रतिनिधि	सदस्य;
6.	मान्यता प्राप्त संस्थान या राज्य के विश्वविद्यालय से पारिस्थितिकी में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
7.	विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी- (i) लोक निर्माण विभाग; (ii) सिंचाई; (iii) पर्यटन और (iv) खनन	सदस्य;
8.	राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी	सदस्य;
9.	माननीय वन्यजीव वार्डन भरतपुर	सदस्य;
10.	वन (वन्यजीव), भरतपुर के उप संरक्षक	सदस्य-सचिव।

6. निर्देश–निबंधन:- (1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन को निगरानी करेगी।

(2) निगरानी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति के पुन: गठन तक के लिए होगा और बाद में निगरानी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।

(3) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची के अधीन सम्मिलित क्रियाकलापों और इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध गतिविधियों के सिवाय आने वाले ऐसे क्रियाकलापों की दशा में वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट की जाएगी।

(4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना के अनुसूची के अधीन ऐसे क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा ।

(5) निगरानी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध उप-आयुक्त ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन परिवाद फाइल करने के लिए सक्षम होगा।

(6) निगरानी समिति मुद्दा दर मुद्दा के आधार पर अपेक्षाओं पर निर्भर रहते हुए संबद्ध विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संगमों या संबद्ध पणधारियों के प्रतिनिधियों को अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी ।

(7) निगरानी समिति प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च तक की अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्य जीव वार्डन को **उपाबंध V** में उपबंधित रूप विधान के अनुसार उक्त वर्ष के 30 जून तक प्रस्तुत करेगी ।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय निगरानी समिति को अपने कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निदेश दे सकेगा, जो वह ठीक समझे ।

7. **अतिरिक्त उपाय.-** इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभाव देने के लिए केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगे ।

8. उच्चतम न्यायालय का आदेश, आदि.- इस अधिसूचना के उपबंध, भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा पारित कोई आदेश या पारित होने वाले किसी आदेश, यदि कोई हों, के अधीन होंगे ।

[फा. सं. 25/56/2015-ईएसजेड-आरई]

डॉ. सतीश चन्द्र गढ़कोटी, वैज्ञानिक 'जी'

उपाबंध-I

बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण

- उत्तर : वन खण्ड नेहरोली खेरी डैंग, सूखा शिला और बंशी पहाड़पुर खण्ड
- दक्षिण : सूखा शिला, बंशी पहाड़ दरवाहना, कोट और वजना खण्ड की वन खण्ड सीमाएं
- पूर्व : वजना वन खण्ड की खण्ड सीमा
- पश्चिम : नहरोली, शाहपुर, दरवाहना और वजना वन खण्डों की वन खण्ड सीमाएं

पारिस्थितिकी संवेदी जोन के क्षेत्र के तीन (दक्षिण, पश्चिम और उत्तर) भागों पर वन्यजीव अभयारण्य की ऊपर दी गई सीमाएं एक किलोमीटर के अंतर्गत आती है, तथापि बंशी पहाड़पुर क और बंशी पहाड़पुर ख खण्डों के लिए पूर्वी भाग पर साथ ही साथ बंशी पहाड़पुर ख खण्ड की ओर सूखा शिला खण्ड का भाग है जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन की खण्ड सीमा से 25 मीटर चौड़ाई है। अभयारण्य के सम्पूर्ण क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राजस्व क्षेत्र पारिस्थितिकी संवेदी जोन है।

उपाबंध- IIक

बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र

(i) भाग 1

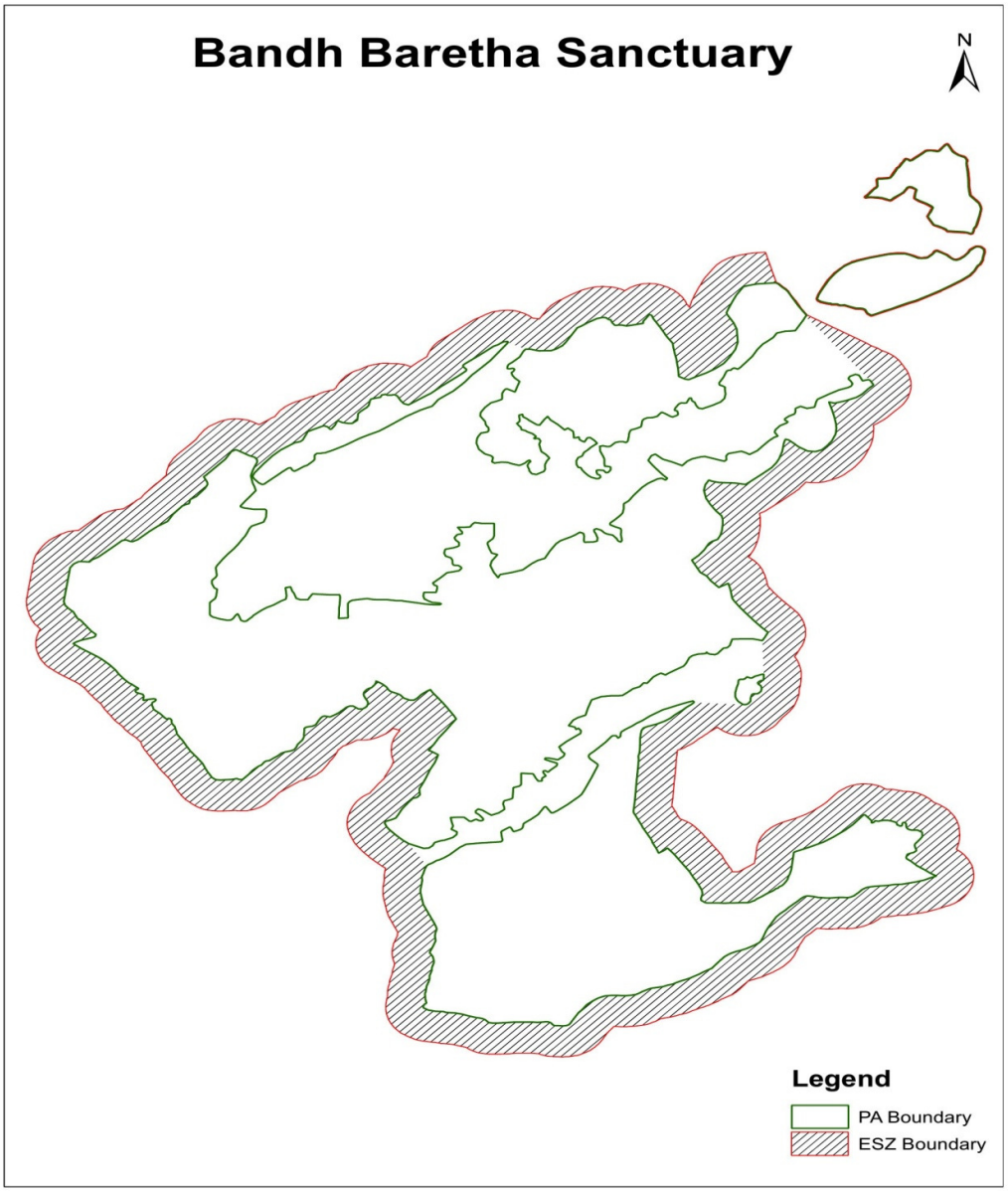

(ii) भाग 2

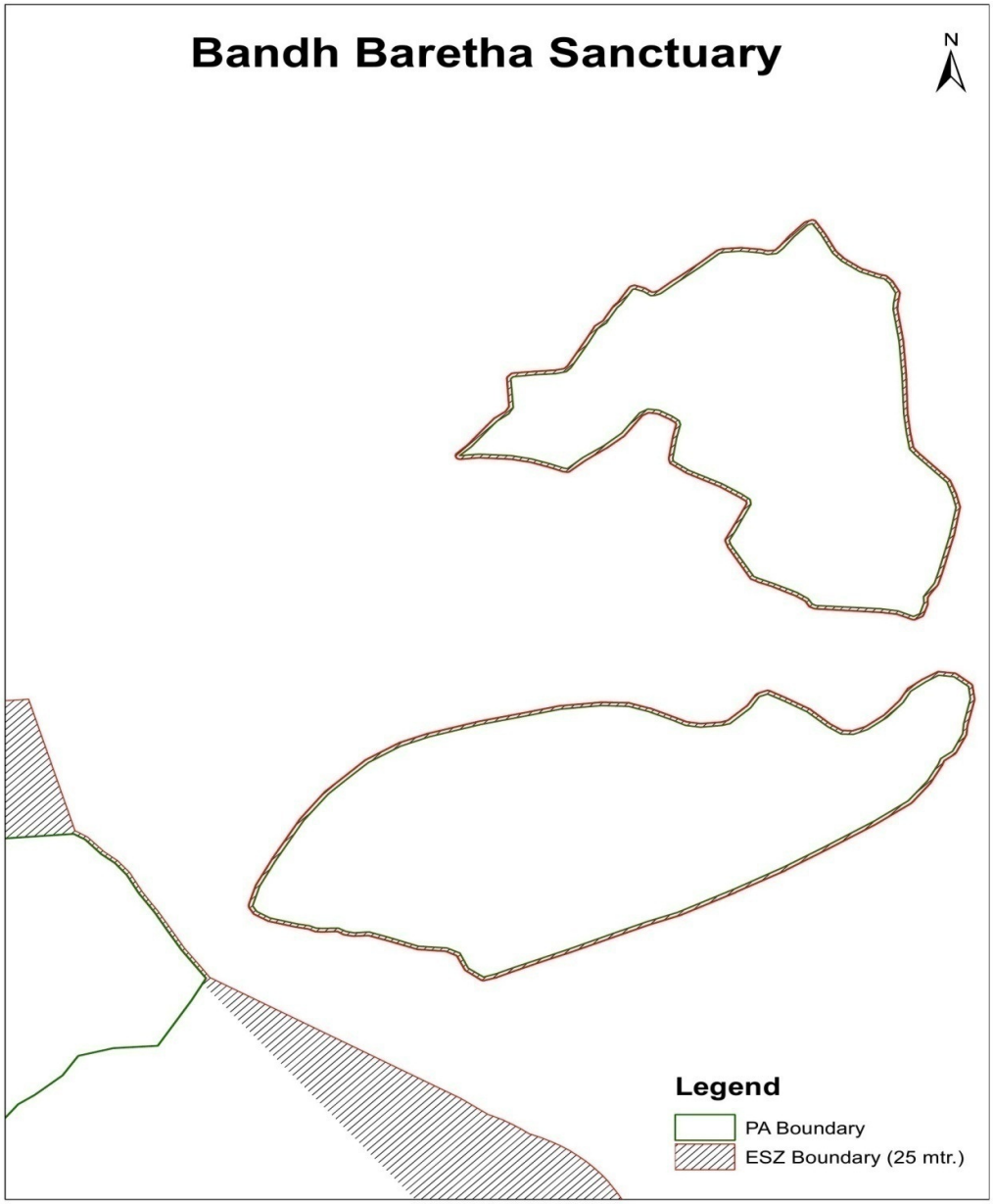
Bandh Baretha Sanctuary
N
Legend
PA Boundary
ESZ Boundary (25 mtr.)

उपाबंध- IIख

बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन का गूगल मानचित्र

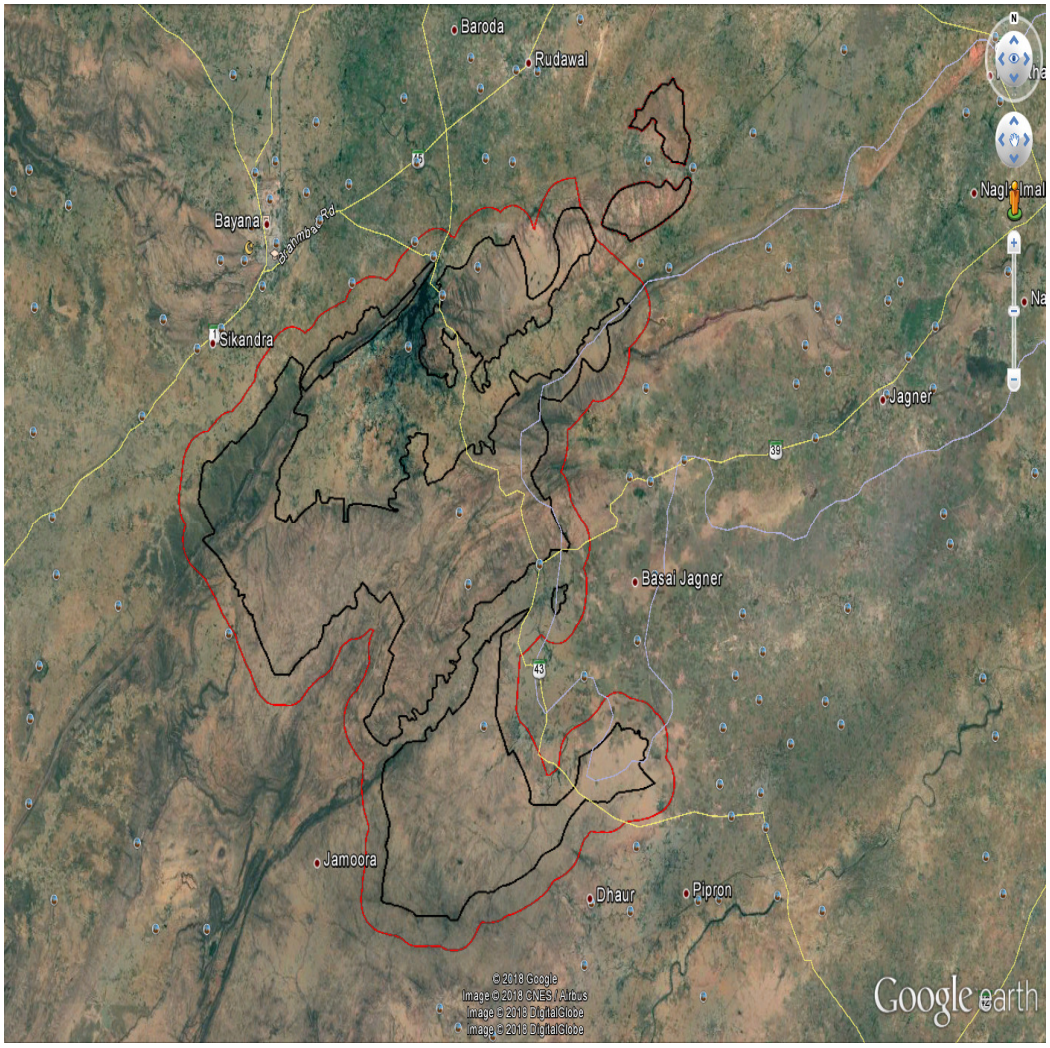

उपाबंध- IIग

भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) की टोपोशीट पर बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी का मानचित्र

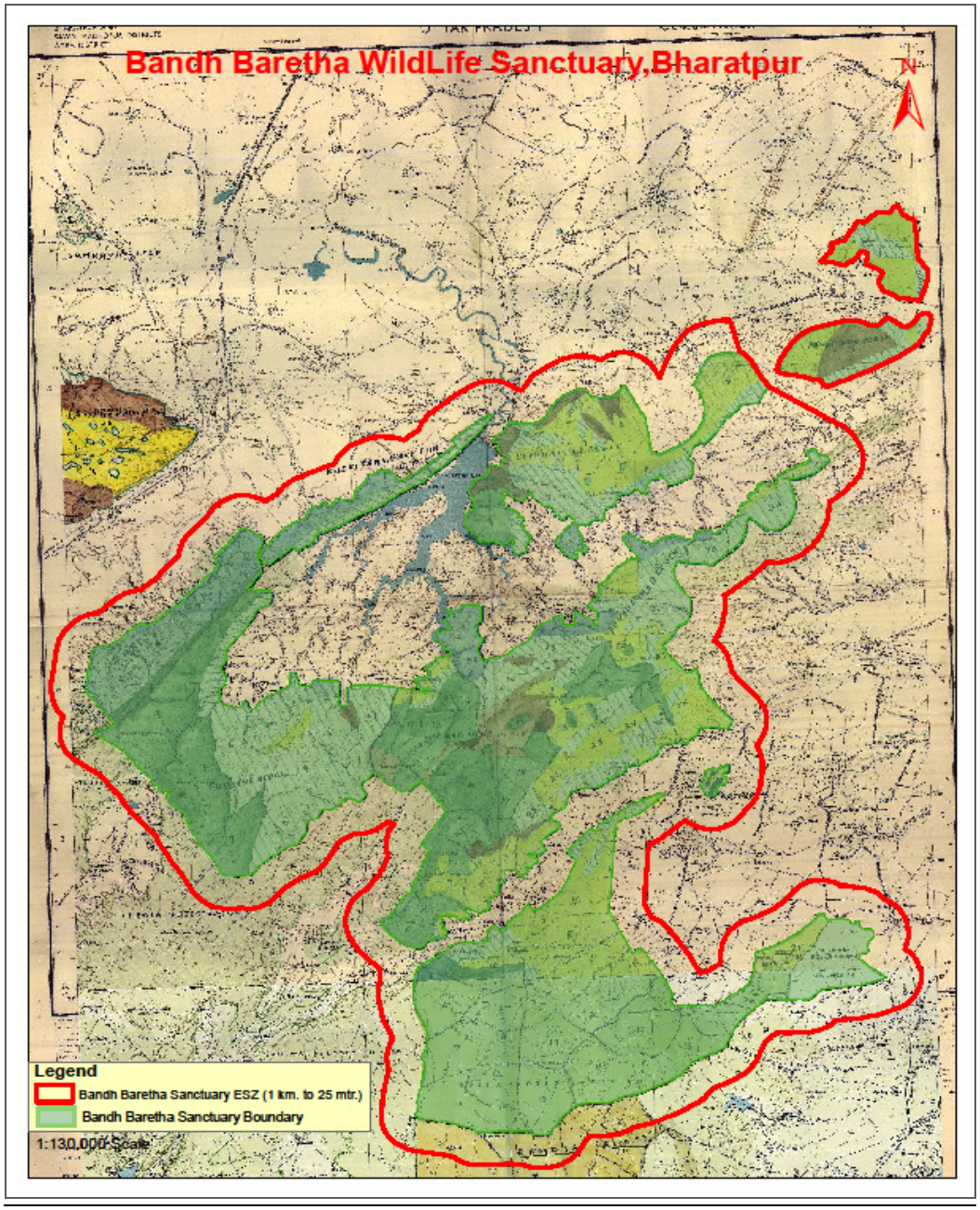

उपाबंध- IIघ

बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी का भूमि-उपयोग मानचित्र

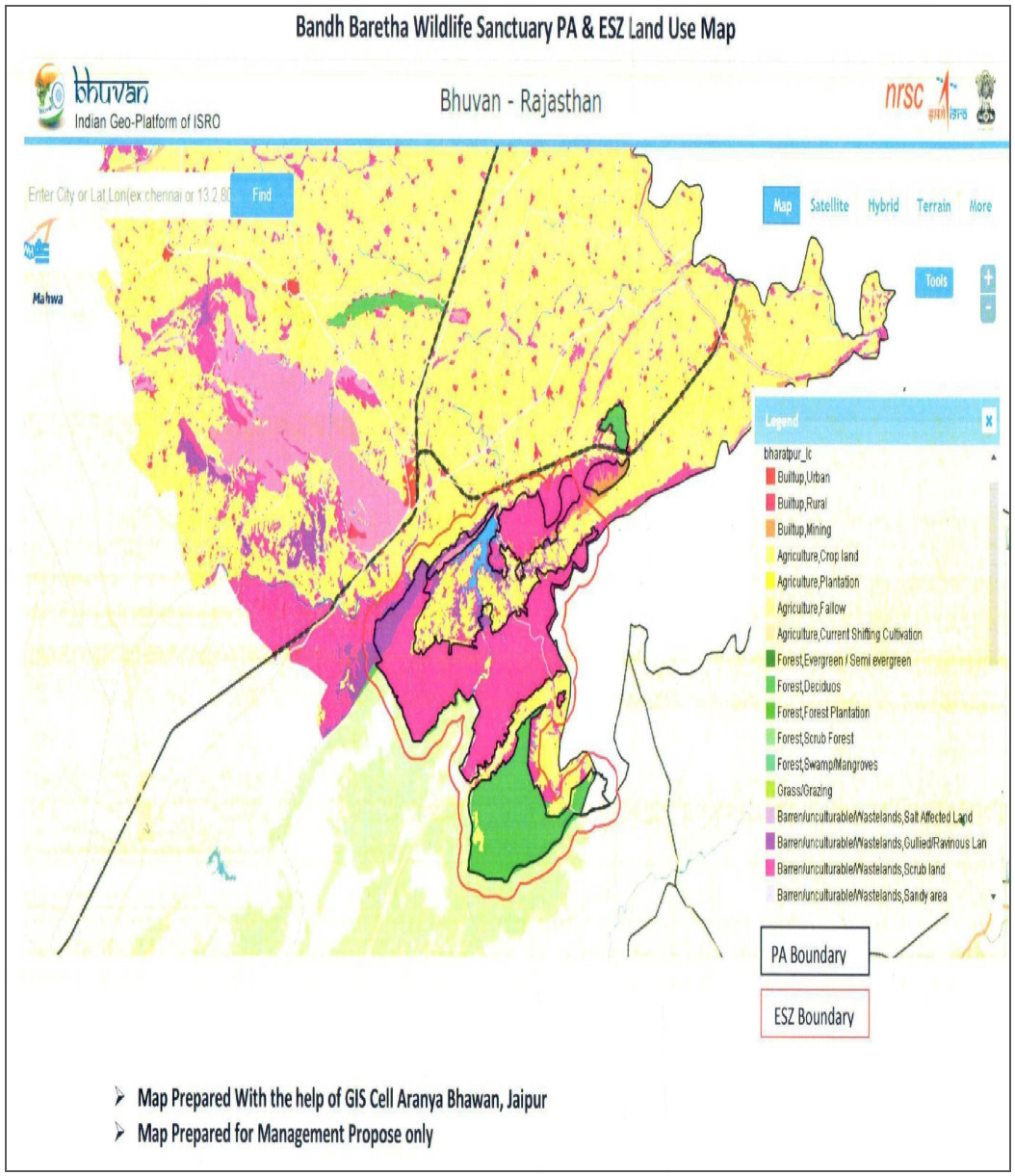

उपाबंध- IIङ

बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य और इसके पारिस्थितिकी संवेदी का जलनिकास मानचित्र

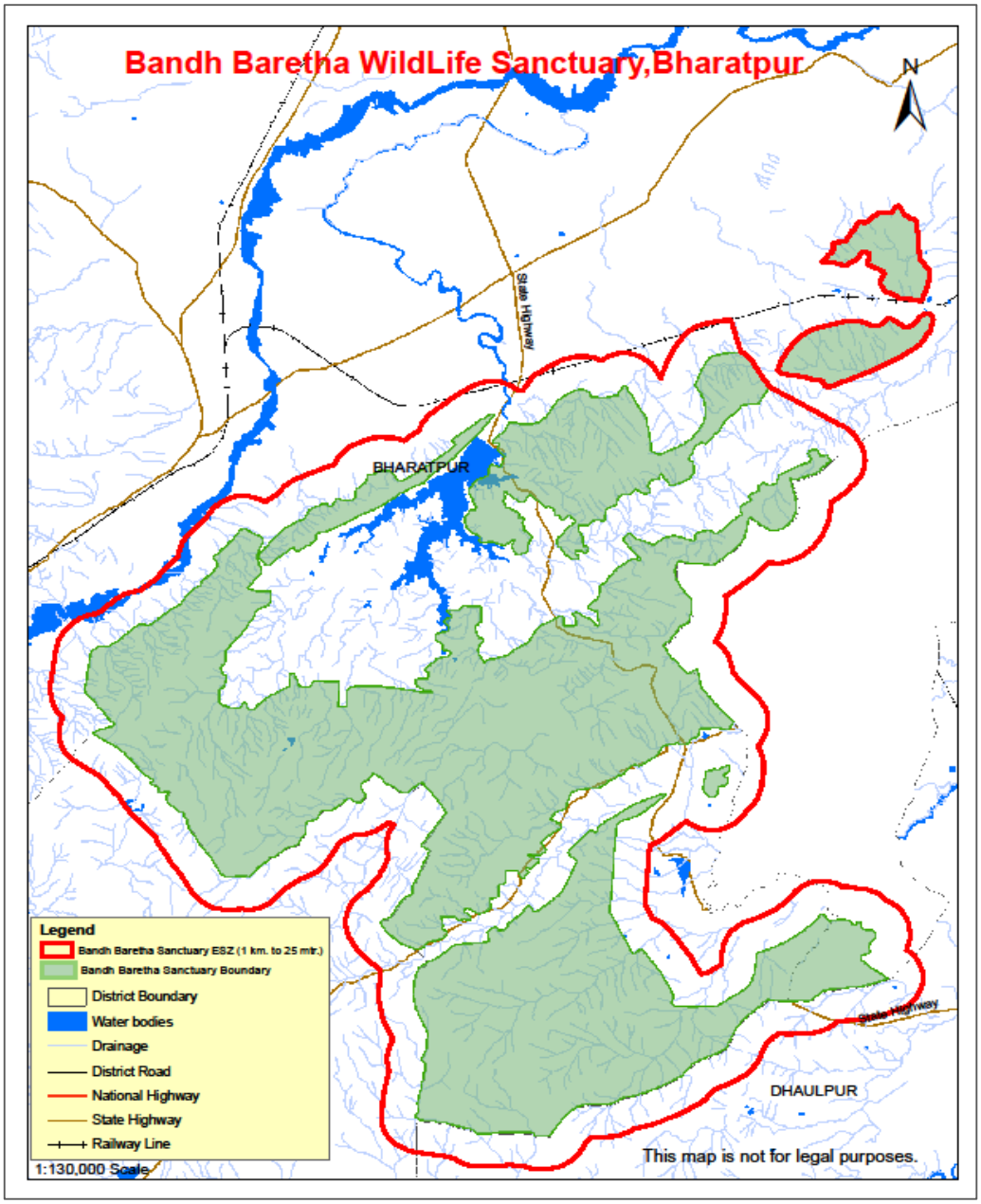

उपाबंध- IIच

प्रमुख अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र

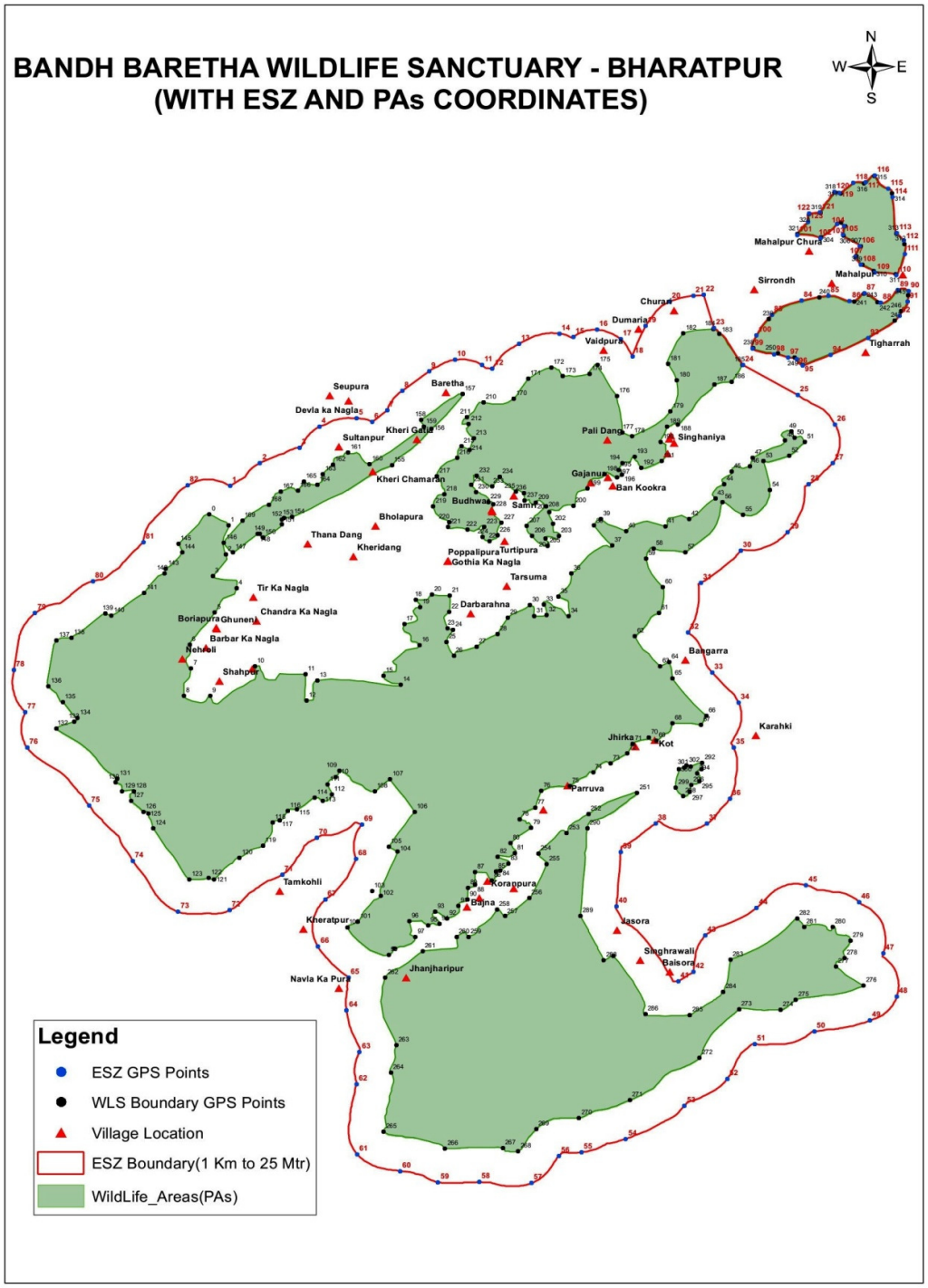

उपाबंध-III

सारणी क: बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य के प्रमुख अवस्थानों के भू-निर्देशांक

क्र.सं.	देशांतर	अक्षांश
0	77° 29' 49.058" पू	26° 57' 24.991" उ
1.	77° 30' 2.831" पू	26° 56' 40.281" उ
2.	77° 30' 2.831" पू	26° 56' 40.281" उ
3.	77° 29' 9.866" पू	26° 56' 38.807" उ
4.	77° 28' 46.032" पू	26° 56' 37.636" उ
5.	77° 28' 34.082" पू	26° 56' 59.161" उ
6.	77° 29' 22.679" पू	26° 57' 27.800" उ
7.	77° 30' 12.488" पू	26° 55' 32.823" उ
8.	77° 29' 31.549" पू	26° 55' 2.417" उ
9.	77° 28' 48.729" पू	26° 54' 44.259" उ
10.	77° 27' 58.193" पू	26° 54' 49.484" उ
11.	77° 27' 40.833" पू	26° 55' 11.163" उ
12.	77° 28' 6.586" पू	26° 55' 33.166" उ
13.	77° 28' 51.979" पू	26° 55' 41.560" उ
14.	77° 29' 29.150" पू	26° 55' 43.358" उ
15.	77° 28' 23.567" पू	26° 53' 25.223" उ
16.	77° 26' 56.720" पू	26° 52' 30.748" उ
17.	77° 25' 53.923" पू	26° 51' 9.242" उ
18.	77° 26' 28.046" पू	26° 49' 1.690" उ
19.	77° 24' 53.902" पू	26° 48' 27.978" उ
20.	77° 22' 54.886" पू	26° 47' 2.874" उ
21.	77° 21' 22.284" पू	26° 46' 4.494" उ
22.	77° 21' 3.475" पू	26° 47' 15.208" उ
23.	77° 20' 5.770" पू	26° 48' 7.992" उ
24.	77° 18' 2.917" पू	26° 46' 48.850" उ
25.	77° 16' 35.904" पू	26° 48' 14.955" उ
26.	77° 15' 45.870" पू	26° 49' 21.440" उ
27.	77° 17' 4.923" पू	26° 51' 27.519" उ
28.	77° 18' 17.381" पू	26° 51' 33.166" उ
29.	77° 18' 17.921" पू	26° 55' 10.046" उ

30.	77° 21' 29.703" पू	26° 50' 19.9076" उ
31.	77° 23' 27.569" पू	26° 50' 54.544" उ
32.	77° 24' 51.229" पू	26° 52' 18.312" उ
33.	77° 27' 7.512" पू	26° 52' 59.424" उ
34.	77° 25' 47.878" पू	26° 53' 8.104" उ
35.	77° 23' 44.802" पू	26° 52' 35.214" उ
36.	77° 22' 11.189" पू	26° 52' 50.289" उ
37.	77° 24' 53.491" पू	26° 54' 39.923" उ
38.	77° 26' 34.727" पू	26° 55' 13.498" उ
39.	77° 26' 28.277" पू	26° 48' 26.259" उ
40.	77° 26' 1.212" पू	26° 48' 1.180" उ
41.	77° 25' 20.406" पू	26° 47' 59.639" उ
42	77°25'20.475'' पू	26°44'33.356'' उ
43	77°28'54.272'' पू	26°45'38.629'' उ
44	77°26'54.335'' पू	26°44'29.626'' उ
45	77°23'9.376'' पू	26°42'25.891'' उ
46	77°20'57.986'' पू	26°43'44.169'' उ
47	77°22'11.262'' पू	26°45'42.631'' उ
48	77°23'41.877'' पू	26°47'9.687'' उ
49	77°22'32.409'' पू	26°54'19.642'' उ
50	77°20'25.665'' पू	26°52'49.166'' उ
51	77°18'42.189'' पू	26°52'25.896'' उ
52	77°20'24.829'' पू	26°53'23.797'' उ

सारणी ख: पारिस्थितिकी संवेदी जोन के मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक

क्र.सं.	देशांतर	अक्षांश
1	77°29'42.472'' पू	26°57'34.841''उ
2	77°30'1.676'' पू	26°57'17.596''उ
3	77°30'4.204'' पू	26°56'0.658''उ
4	77°29'24.271'' पू	26°56'30.030''उ
5	77°29'9.331'' पू	26°56'48.716''उ
6	77°28'22.095'' पू	26°56'40.509''उ

7	77°29'2.722'' पू	26°57'20.438''उ
8	77°30'33.157''पू	26°55'47.160''उ
9	77°30'0.374''पू	26°55'16.684''उ
10	77°29'7.677''पू	26°54'51.539''उ
11	77°28'22.919''पू	26°54'37.527''उ
12	77°27'32.705''पू	26°54'54.277''उ
13	77°27'53.488''पू	26°55'26.070''उ
14	77°28'12.961''पू	26°55'36.009''उ
15	77°29'13.955''पू	26°55'36.722''उ
16	77°26'43.710''पू	26°55'46.377''उ
17	77°27'22.190''पू	26°54'39.717''उ
18	77°28'59.751''पू	26°53'24.296''उ
19	77°28'22.126''पू	26°52'37.307''उ
20	77°27'9.480''पू	26°51'39.990''उ
21	77°26'20.142''पू	26°50'27.208''उ
22	77°27'9.624''पू	26°49'4.872''उ
23	77°26'54.485''पू	26°47'49.998''उ
24	77°25'38.735''पू	26°47'30.294''उ
25	77°25'0.000''पू	26°46'3.057''उ
26	77°25'53.167''पू	26°45'1.101''उ
27	77°27'10.886''पू	26°46'2.520''उ
28	77°29'27.884''पू	26°45'19.205''उ
29	77°27'18.141''पू	26°43'59.502''उ
30	77°25'54.866''पू	26°42'58.740''उ
31	77°23'46.454''पू	26°42'16.479''उ
32	77°20'31.303''पू	26°42'19.083''उ
33	77°20'27.475''पू	26°44'2.482''उ
34	77°19'43.504''पू	26°46'7.480''उ
35	77°20'30.668''पू	26°47'38.743''उ
36	77°18'33.757''पू	26°46'30.357''उ
37	77°17'10.839''पू	26°46'27.244''उ

38	77°16'2.237"पू	26°47'53.802"उ
39	77°14'49.077"पू	26°49'9.129"उ
40	77°14'48.526"पू	26°50'39.796"उ
41	77°15'43.076"पू	26°51'19.927"उ
42	77°16'55.321"पू	26°52'4.564"उ
43	77°18'30.442"पू	26°52'58.767"उ
44	77°19'46.369"पू	26°53'36.617"उ
45	77°21'5.907"पू	26°54'0.457"उ
46	77°23'1.890"पू	26°54'42.621"उ
47	77°24'27.154"पू	26°55'9.503"उ
48	77°25'27.934"पू	26°54'51.996"उ

उपाबंध-IV

भू-निर्देशांकों के साथ बांध-बरेठा वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्राम क्षेत्र की सूची

क्र. सं.	ग्राम के नाम	देशांतर	अक्षांश
1.	सिरोन्द	77° 27' 56.537" पू	26° 55' 20.751" उ
2.	करनपुरा	77° 25' 13.294" पू	26° 54' 55.545" उ
3.	चुरारी डैंग	77° 26' 15.821" पू	26° 55' 31.624" उ
4.	बंसी	77° 28' 47.863" पू	26° 55' 5.347" उ
5.	बस्तरावाली	77° 23' 40.073" पू	26° 54' 40.864" उ
6.	सिंघारा	77° 19' 45.287" पू	26° 53' 26.937" उ
7.	गोथरा	77° 24' 4.128" पू	26° 55' 4.710" उ
8.	महमदपुरा	77° 22' 33.675" पू	26° 54' 35.292" उ
9.	पलीडैंग	77° 24' 34.943" पू	26° 54' 12.204" उ
10.	खोहरी	77° 28' 5.557" पू	26° 53' 55.634" उ
11.	दुमरिया	77° 25' 47.546" पू	26° 54' 7.508" उ
12.	बंगासपुरा	77° 21' 8.386" पू	26° 53' 57.599" उ
13.	सिंघानिया	77° 27' 17.639" पू	26° 53' 25.315" उ
14.	सूखा सीला	77° 22' 39.632" पू	26° 53' 20.584" उ
15.	चहाई	77° 18' 56.002" पू	26° 53' 11.611" उ

16.	सुलनपुर	77° 20' 33.375" पू	26° 53' 32.541" उ
17.	तरबीजपुर	77° 26' 9.729" पू	26° 53' 7.211" उ
18.	शेरगढ़	77° 17' 43.464" पू	26° 52' 49.265" उ
19.	गुजनुआ	77° 24' 56.718" पू	26° 52' 35.478" उ
20.	खेरी डैंग	77° 20' 37.612" पू	26° 52' 35.153" उ
21.	थाना डैंग	77° 19' 15.464" पू	26° 52' 13.502" उ
22.	समरी	77° 24' 3.486" पू	26° 52' 13.330" उ
23.	मनगरेन कलान	77° 27' 2.892" पू	26° 52' 35.286" उ
24.	तुरतीपुरा	77° 22' 9.209" पू	26° 52' 5.071" उ
25.	बन कूकरा	77° 26' 9.096" पू	26° 52' 12.020" उ
26.	बुधावार	77° 23' 7.974" पू	26° 52' 0.883" उ
27.	सिकंदारा	77° 16' 57.955" पू	26° 51' 56.619" उ
28.	खुलावली	77° 21' 28.821" पू	26° 52' 10.535" उ
29.	पोपलपुरा	77° 21' 57.042" पू	26° 51' 46.187" उ
30.	नहरोली	77° 16' 22.523" पू	26° 51' 19.494" उ
31.	घुनैनी	77° 16' 22.523" पू	26° 51' 19.494" उ
32.	चैनपुरा	77° 20' 53.293" पू	26° 51' 19.054" उ
33.	तरसूमा	77° 24' 27.744" पू	26° 50' 58.381" उ
34.	शाहपुर	77° 18' 21.886" पू	26° 49' 6.346" उ
35.	दर बराहना	77° 22' 51.181" पू	26° 50' 16.804" उ
36.	धोरैरी	77° 14' 51.841" पू	26° 50' 9.592" उ
37.	पुराहरलेल	77° 15' 38.491" पू	26° 50' 30.721" उ
38.	शिओपुर	77° 19' 45.624 पू	26° 49' 18.066" उ
39.	गुरधा डैंग	77° 20' 59.464" पू	26° 49' 22.213" उ
40.	सिंघबैन डैंग	77° 20' 58.357" पू	26° 50' 37.187" उ
41.	बजना	77° 25' 30.971 पू	26° 48' 49.054" उ
42.	परुआ	77° 23' 19.195" पू	26° 48' 18.775" उ
43.	डंडा	77° 16' 22.979" पू	26° 48' 1333" उ
44.	झटोला	77 ° 14' 57.193" पू	26° 48' 57.541" उ

45.	तिमकोली	77° 20' 21.033" पू	26° 46' 28.941" उ
46.	कोट	77° 22' 14.914" पू	26° 45' 28.055" उ
47.	कनी	77° 24' 53.267" पू	26° 47' 7.000" उ
48.	वनलापुरा	77° 17' 18.753" पू	26° 46' 44.407" उ
49.	सामन्तगढ़	77° 27' 8.916" पू	26° 45' 46.4485" उ
50.	जैसूरा	77° 24' 12.028" पू	26° 45' 14.832" उ
51.	बैसोरे	77° 24' 12.028" पू	26° 45' 14.832" उ
52.	कोटरा	77° 28' 55.656" पू	26° 44' 15.579" उ
53.	जमूरा	77° 20' 35.261" पू	26° 44' 44.488" उ
54.	चक सामन्तगढ़	77° 27' 0.940" पू	26° 44' 44.222" उ
55.	धौर	77° 27' 0.497" पू	26° 43' 33.886 उ
56.	सिंघरावली	77° 23' 20.143" पू	26° 43' 18.997" उ
57.	खानपुरा	77° 24' 48.106" पू	26° 42' 44.488" उ
58.	बंसराय	77° 23' 53.521" पू	26° 42' 36.135" उ
59.	नयापुरा राधोल	77° 21' 29.715" पू	26° 42' 4.159" उ
60.	बरमन	77° 22' 49.778" पू	26° 42' 7.236" उ
61.	महालपुर चूरा	77° 28' 54.515" पू	26° 56' 54.789" उ
62.	पहाड़पुर	77° 29' 41.116" पू	26° 56' 55.137" उ

<u>उपाबंध</u>-V

पारिस्थितिकी संवेदी जोन निगरानी समिति - की गई कार्रवाई की रिपोर्ट का रूप विधान

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत्त : कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक अनुबंध में उपाबद्ध करें ।
3. आंचलिक महायोजना की तैयारी की प्रास्थिति जिसके अंतर्गत पर्यटन महायोजना भी है।
4. भू-अभिलेख में सदृश्य त्रुटियों के सुधार के लिए व्यवहार किए गए मामलों का सारांश । (पारिस्थितिकी संवेदी जोन-वार) ब्यौरे उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं ।
5. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली गतिविधियों की संवीक्षा के मामलों का सारांश । ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं ।

6. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों की संवीक्षा के मामलों का सारांश । ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं ।

7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सारांश ।

8. कोई अन्य महत्वपूर्ण विषय ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th December, 2018

S.O. 6319(E).—WHEREAS, a draft re-notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide notification of the Government of the India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change number S.O. 2202 (E), dated the 31st May, 2018, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within the period of sixty days from date on which copies of the Gazette containing the said notification were made available to the public;

AND WHEREAS, copies of the Gazette containing the said draft notification were made available to the public on the the 31st May, 2018;

AND WHEREAS, objections and suggestions received from persons and stakeholders in response to the draft notification were duly considered;

AND WHEREAS, the Bandh-Baretha Wildlife Sanctuary, situated in Bharatpur District in the State of Rajasthan is spread over an area of **204.16 square kilometers** and the Sanctuary is located 45 kilometers from Bharatpur, 76 kilometers from Fatehpur Sikri and 78 kilometers from Dholpur District;

AND WHEREAS, the Sanctuary has dry deciduous forest and the important flora includes *Acacia catechu* (Khair), *Acacia senegal* (Kumtha, Safed khair, Khairi), *Aegle marmelos* (Beel, Bel), *Albizia lebbeck* (Kala siras), *Anogeissus latifolia* (Dhavada, Safed Dhonk), *Anthocephalus cadamba*(Kadam), *Azadirachta indica* (Neem), *Ailanthus excels*(Ardu), *Balanites aegyptiaca* (Hingota), *Butea monosperma* (Dhak, Chhila, Palash, Khakhra), *Capparis decidua* (Karil, ker), *Capparis sepiaria* (Hins), *Dichrostachys cinerea* (Gaoya Khair), *Cordia myxa* (Lasoda), *Cassia fistula* (Amalatas), *Cordia rothii*(Gondi, Gundi), *Delonix regia* (Gulmohar), *Diospyros cordiata* (Birbida), *Emblica officinalis* (Amala), *Euphorbia nerifolia* Linn (Danda thor), *Ficus cordifolia* Linn.(Paras peepal), *Ficus glomerata* inn.(Gular), *Ficus religiosa* Linn.(Peepal), *Ficus hispida* (Gular), *Holoptelea integrifolia* (Churale, Papadi), *Inga dulcis* (Jungle Jalebi), *Lannea coromandelica* (Gurjan), *Melia azedarach*(Bakain), *Millingtonia hortensis* (Neemchameli, Aakash neem), *Nyctanthes arbor tristis* (Haar Shringar), *Phoenix sylvestris* (Khajur), *Prosopis cineraria* (Khejada, Khejadi), *Prosopis juliflora* (Vilayati babool), *Eucalyptus spp* (Safeda), *Syzygium cuminili* (Jamun), *Tamarindus indica* (Imli), *Tamarix aphylla* (Farash), *Tecomella undulata* (Rohda, Rohida), *Terminalia arjuna* (Arjun), *Ziziphus mauritiana* (Ber), etc. While *Abutilon bidentatum* Riche (Peethari), *Acanthospermum hispidum* (Kanti), *Achyranthes aspera* Linn (Andhijhara, Upanarang, Unga), *Adhatoda vasica* (Adusa), *Aerva pseudo tomentosa* (Bui), *Amaranthus polygamus* Linn. (Jungle choulai), *Andrographis paniculata* (Kalmegh), *Argemone mexicana* Linn. (Satyanashi, Peeli Kateri), *Calotropis procera* R.Br. (Aak, Aankda), *Centella asiatica* Linn. (Brahnibuti, Brahmi), *Commelina benghalensis* Linn. (Bokna/kanadhonkna), *Datura stramonium* (Dhatura), *Euphorbia hirta* (Dudhi), *Grewia tenax* (Gangrena, Gangan, Chaveni), *Grewia villosa* Willd. (Ban falasa), *Helicteres isora* Linn. (Marodfali), *Indigofera hochstetter* (Bekariyo), *Indigofera tinctoria* (Neel), *Ipomea carnea* (Vilayati Aankda), *Kirganelia reticulate* (Kamboi), *Lawsonia inermis* Linn. (Mehandi), *Lepidagathis cuspidate* (Untkaentri), *Nerium indicum* (Laalkaner), *Ocimum americanum* Linn (Baapchi, Nagadbaapchi, Bantulsi), *Opuntia dillenii* (Naagfani), *Urginea indica* Kunth. (Kolikanda, jungle payaj), *Oxalis corniculata* Linn. (Tripati, Khatti buti), *Sida rhombifolia* Linn. (Swet Badela), *Thespesia lampas* Delzo. (Van Kapas), *Trapa bispinosa* Roxb. (Shinghada), etc.;

AND WHEREAS, important climbers, herbs and grass recorded from the Sanctuary are *Capparis zeylanica* Linn. (Moreda), *Cissampelos pareira* Linn. (Pahadbel, Pahadmul), *Cryptostegia grandiflora* R.Br. (Dudhi, medha), *Gloriosa superba* Linn. (Gloriyosa), *Luffa acutangula* Var. amara Clark. (Turai (Kadwi), *Momordica dioica* Roxb. (Kankoda), *Mucuna preta (L.)* DC. (Konch), *Tinospora cordifolia* Miers (Neem Giloy), *Trichosanthes bracteata* Lamk. (Kundal), *Ziziphus Oenoplia* Mill. (Makoh), *Aristida hystrix* Linn. (Lanpla (Safed), *Arundo donax* Linn. (Narkul), *Bothriochloa pertusa,* Camus. (Karad, choti jargaa), *Cenchrus ciliaris,* Linn. (Dhaman), Aanjan), *Chloris inflate* (Kaalichdkali), *Chloris roxburghiana* (Bkanli bebai), *Chrysopogon fulvus* (Goriya, Sedua, siraan), *Cuscuta reflexa* Roxb. (Amarbel, Aakashbel), *Cymbopogon martinii* (Rosha, roja ghaas), *Cyperus compressus* (Motha, naagar motha),

Chrysopogon fulvus (Goriya), *Desmostachya bipinnata Linn.* (Daab, kush), *Dichanthium annulatum* (Forst) Stapf. (Karad, jargaa), *Digitaria bicornis* (Binkarada), *Eregrostiella bifaria* (Jondili), *Eremopogon foveolatus* (Buhari), *Imperata cylindrica,* Linn. (Siru), *Islejma laxum,* Hac. (Gandhel), *Oropetium thomaeum,* Linn. (Susachunti), *Sehima nervosum* (Siran, sin), *Themeda quadrivalvis,* O.Ktze. (Raatrda), *Targus biflorus,* Roxb. (Sitaghaas), *Sorghum halepense* (Baad, baradi), etc.;

AND WHEREAS, the Sanctuary has a varied habitat with diversified fauna including *Sus scrofa cristatus* (Indian Wild Boar), *Felis caracal* (Caracal), *Felis chaus* (Jungle Cat), *Gazella gazelle* (Chinkara or Indian Gazelle), *Axis axis* (Chital or Spotted Deer), *Vulpes bengalensis* (Indian Fox), *Boselaphus tragocamelus* (Blue Bull Nilgai), *Felis bengalensis* (Cat-Leopard), *Lepus nigricollis dayanum* (Hare Desert), *Hemiechinus auritus* (Hedgehog Long Eared), *Hyaena hyaena* (Striped Hyena), *Canis aureus* (Jackal), *Presbytis entellus* (Langur-Common), *Herpestes edwardsii* (Common Mongoose), *Macaca mulatta* (Monkey or Rhesus Macaque), *Manis crassicaudata* (Indian Pangolin), *Hystrix indica* (Porcupine-Indian), *Mellivora capensis* (Ratel or Honey Badger), *Cervus unicolor* (Sambhar), *Suncus murinus* (Shrew Grey Musk or Muskrat), *Canis lupus* (Wolf) etc. While Indian Pangolin (*Manis crassicaudata*) is the endangered species, while Striped Hyaena (*Hyaena hyaena*) is the near threatened species found in the Sanctuary;

AND WHEREAS, the major avifauna available in the Sanctuary are *Recurvirostra avosetta* (Avocet), *Merops persicus* (Blue Cheeked Bee Eater), *Merops leschenaultia* (Chestnut Headed Bee Eater), *Merops orientalis* (Small Green Bee Eater), *Coracias benghalensis* (Blue jay Indian Roller), *Luscinia svecica* (Blue Throat), *Hierococcyx varius* (Brain Fever Bird), *Pycnonotus cafer* (Bulbul Red Vented), *Emberiza melanocephala* (Bunting Black Headed), *Melophus lathami* (Crested Bunting), *Saxicola torquata* (Bushchat Collared), *Saxicola caprata* (Bushchat Pied), *Butastur teese* (White Eyed Buzzard), *Argya caudate.*Dumont (Common Babbler), *Fulica atra* (Coot), *Megalaima haemacephala* (Coppersmith Barbet), *Phalacrocorax carbo* (Large Cormorant), *Centropus sinensis* (Council Crow Pheasant), *Eudynamys scolopaceus* (Cuckoo), *Coracina mazzei* (Large Cuckoo Shrike), *Anhinga melanogaster* (Darter Or Snake Bird), *Podiceps ruficollis* (Dabchick Or Grebe Little), *Streptopelia decaocto* (Little Brown Dove), *Streptopelia chinensis* (Dove Spotted), *Dicrurus macrocercus* (Drongo or King Crow), *Casaca ferruginea* (Duck Brahminy/ Ruddy Shelduck), *Sarkidiornis melanotos* (Duck Comb), *Anas poecilorhyncha* (Spot-Billed Duck), *Spizaetus cirrhatus* (Crested Hawk Eagle), *Bubulcus Ibis* (Egret Cattle), *Egretta intermedia* (Median Egret), *Falco jugger* (Falcon Laggar), *Terpsiphone paradise* (Flycatcher), *Ficedula parva* (Flycatcher Red-Breasted), *Rhipidura aureola* (Flycatcher White Tail), *Burhinus oedicnemus* (Curlew Stone), *Circus macrourus* (Pale Harrier), *Ardea cinerea* (Heron Gray), *Demi Egretta asha* (Indian Reef Heron), *Nycticorax nycticorax* (Heron Night), *Ardeola grayii.* (Pond Heron Paddy Bird), *Ardea purpurea* (Heron purple), *Corvus splendens* (House Crow), *Pseudibis papillosa* (Ibis Black), *Threskiornis melanocephalus* (Ibis White), *Hydrophasianus chirurgus* (Jacana Pheasant Tailed), *Coracina melanoptera* (Jungle Crow), *Galloperdix spadicea* (Jungle Fowl Red Spur), *Hamphalcyon* (Kingfisher Brown), *Halcyon smyrnensis* (Kingfisher White Breasted), *Haliastur Indus* (Kite Brahminy), *Milvus migrans* (Common Pariah Kite), *Lobi Vanellus indicus* (Lapwing Red Wattled), *Galerida cristata* (Crested Lark), *Mirafra cantillans* (Singing Bushlark), *Hirundo concolor* (Dusky Crag Martin), *Sturnus pagodarum* (Brahminy Myna), *Acridotheres tristis* (Myna Common), *Caprimulgus asiaticus* (Common Indian Nightjar), *Alauda gulgula* (Oriental Skylark), *Oriolus oriolus* (Oriole Golden), *Oriolus xanthornus* (Black Headed Oriole), *Bubo coromandus* (Dusky Horned Owl), *Bubo bubo* (Owl Dusky Indian Great Horned), *Francolinus francolinus* (Partridge Black), *Francolinus pondicerianus* (Partridge Grey), *Pavo cristatus* (Common Peafowl), *Columba livia* (Blue Rock Pigeon), *Anthus Richard* (Pitpit Indian), *Charadrius dubius* (Ringed plover little ringed plover), *Porphyrio porphyrio* (Purple Moorhen), *Phoenicurus ochruros* (Red start), *Saxicoloides fulicata* Linn. (Robin Indian), *Copsychus saularis* (Robin Magpie), *Sturnus roseus* (Rosy Pastor or Rosy Starling), *Tringa glareola* (Sandpiper Spotted), *Astur badius* (Shikra), *Platalea leucorodia* (Spoonbill), *Himantopus himantopus* (Stilt Black-Winged), *Leptoptilos dubius* (Greater Adjutant), *Ephippiorhynchus asiaticus* (Stork Black Necked), *Mycteria leucocephala* (Stork- Painted), *Ciconia ciconia* (Stork –White), *Dissoura episcopus* (White Necked Stork), *Burhinus oedicnemus* (Stone Curlew), *Cinnyris asiaticus* (Sunbird Purple), *Apus affinis* (Indian House Swift), *Orthotomus sutorius* (Tailorbird), *Anas crecca* (Common Teal Duck), *Nettapus coromandelianus* (Teal Cotton), *Parus major* (Grey Tit), *Dendrocitta vagabunda* (Tree Pie), *Sarcogyps calvus* (Vulture King), *Gyps bengalensis* (Vulture White Backed), *Motacilla cinerea* (Wagtail Grey), *Amaurornis phoenicurus* (Water Hea White Breasted), *Ploceus philippinus* (Common Weaver Bird), *Zosterops palpebrosus* (White Eye), *Brachypternus benghalensis* (Woodpecker Golden), *Dendrocopos marattensis* (Woodpecker Yellow), etc.;

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area, the extent and boundaries of which are specified in paragraph 1 of this notification, around the protected area of Bandh-Baretha Wildlife Sanctuary as Eco-sensitive Zone from ecological and environmental point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone;

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section(1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent ranging from **25 meters** to **1 kilometer** around the boundary of Bandh-Baretha Wildlife Sanctuary in the State of Rajasthan as the Bandh-Baretha Wildlife Sanctuary Eco-sensitive Zone (hereinafter referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely:-

1. **Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone. –** (1) The extent of the Eco-sensitive Zone varies from **25 meters to 1 kilometer** around the boundary of the Bandh-Baretha Wildlife Sanctuary and the area of the Eco-sensitive Zone is **173.92 square kilometres**.

(2) The boundary description of Bandh-Baretha Wildlife Sanctuary and its Eco-sensitive Zone is given in **Annexure-I.**

(3) The map of the protected area demarcating Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes is appended as **Annexure-II A, Annexure-II B, Annexure-II C, Annexure-II D, Annexure-II E and Annexure-II F.**

(4) The list of geo-coordinates of the boundary of the Bandh-Baretha Wildlife Sanctuary and its Eco-sensitive Zone are given in Table **A** and Table **B** of **Annexure-III,** respectively.

(5) The list of villages falling within the Eco-sensitive Zone along with their geo co-ordinates at prominent points is appended as **Annexure-IV.**

2. **Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.-** (1) The State Government shall, for the purpose of the Eco-sensitive Zone prepare, a Zonal Master Plan, within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with the local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the competent authority in the State.

(2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

(3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following State Departments, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan, namely:-

(i) Environment;
(ii) Forest;
(iii) Urban Development;
(iv) Tourism;
(v) Municipal;
(vi) Revenue;
(vii) Agriculture;
(viii) Rajasthan State Pollution Control Board;
(ix) Irrigation;
(x) Public Works Department.

(4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

(6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps and the Plan shall be supported by Maps giving details of existing and proposed land use features.

(7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited and regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for livelihood security of local communities.

(8) The said Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone so as to ensure eco-friendly development for livelihood security of local communities.

(9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

3. **Measures to be taken by State Government.-** The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) Land use. – (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or residential complex or industrial activities:

Provided that the conversion of agricultural and other lands, specified above, within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the State Government, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as:-

(i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;
(ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;
(iii) small scale industries not causing pollution;
(iv) cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and
(v) promoted activities given in the paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of the Monitoring Committee, once in each case and the correction of the said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the above correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph:

Provided also that there shall be no consequential reduction in green area, such as forest area and agricultural area.

(b) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

(2) Natural water bodies.-The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) Tourism.-

(a) All new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-Sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.

(b) The Tourism Master Plan shall be prepared by the State Department of Tourism in consultation with the State Departments of Environment and Forests.

(c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.

(d) The activities of tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) no new construction of hotels and resorts shall be permitted within one kilometre from the boundary of the Bandh-Baretha Wildlife Sanctuary or upto the extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer:
Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the Wildlife Sanctuary till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be permitted only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

(ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by the National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism;

(iii) till the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within the Eco-sensitive Zone area.

(4) Natural heritage.- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation within six months from the date of publication of this notification in the Official Gazette and such plan shall form part of the Zonal Master Plan.

(5) Man-made heritage sites.- Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be indentified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their

conservation shall be prepared within six months from the date of publication of this notification in the Official Gazette and such plan shall form part of the Zonal Master Plan.

(6) Noise pollution. - Prevention and control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment (Protection) Act, 1986, as amended from time to time.

(7) Air pollution.- Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out with in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder, as amended from time to time.

(8) Discharge of effluents. - Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974(6 of 1974) and the rules made thereunder, as amended from time to time.

(9) Solid wastes. - Disposal and management of solid wastes shall be as under:-

(a) the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide notification number S.O. 1357 (E), dated the 8th April, 2016;

(b) the local authorities shall draw up plans for the suggestion of solid waste into bio-degradable and non bio-degradable components;

(c) the bio-degradable material shall be recycled preferably through composting or vermiculture;

(d) the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone and no burning or incineration of solid wastes shall be permitted in the Eco-sensitive Zone.

(10) Bio-medical waste. – The bio-medical waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number GSR 343 (E), dated the 28th March, 2016, as amended from time to time.

(11) Plastic waste management. - The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time**.**

(12) Construction and demolition waste management. - The construction and demolition waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.

(13) E-waste. - The e- waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.

(14) Vehicular traffic. – The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the competent authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(15) Vehicular pollution. - Prevention and control of vehicular pollution shall be carried out in accordance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuel for example CNG, etc.

(16) Industrial units. – (a) No new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone.

(b) Only non-polluting industries shall be permitted within Eco-sensitive Zone as per classification of industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February 2016, unless otherwise specified in this notification and non-polluting cottage industries shall be promoted.

(17) Protection of hill slopes. - The protection of hill slopes shall be as under:-

(a) the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;

(b) no construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall be permitted.

4. List of activities prohibited or to be regulated within the Eco-sensitive Zone.-

All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) and the rules made thereunder, as amended from time to time and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

S. No. (1)	Activity (2)	Remarks (3)
		A. Prohibited Activities
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	(a) New and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units shall be prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing and for personal consumption; (b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated the 04th August, 2006, in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated the 21st April, 2014, in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	(a) No new industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall be permitted. (b) Only non-polluting industries shall be permitted within Eco-sensitive Zone as per classification of industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February 2016, unless otherwise specified in this notification and non-polluting cottage industries shall be promoted.
3.	Establishment of major hydro-electric project.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
4.	Use or production or processing of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
6.	Setting of new saw mills.	No new or expansion of existing saw mills shall be permitted within the Eco-sensitive Zone.
7.	Setting up of brick kilns.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
8.	Fishing.	There shall be complete ban on commercial fishing in all the water bodies in the Eco-sensitive Zone, however, fishing can be carried out by local communities for their bonafide livelihood needs.
9.	Commercial use of firewood.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
10.	New wood based industry.	(a) Establishment of new wood based industry shall not be permitted within the limits of Eco-sensitive Zone: Provided that the existing wood-based industry may continue as per law: (b) The renewal of licenses of existing saw mills shall not be done on their expiry period.
		B. Regulated Activities
11.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for Eco-tourism activities: Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.
12.	Construction activities.	(a) No new commercial construction of any kind shall be permitted within one kilometer from the boundary of the protected area or upto extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer: Provided that, local people shall be permitted to undertake

		construction in their land for their use including the activities mentioned in sub-paragraph (1) of paragraph 3 as per building byelaws to meet the residential needs of the local residents. (b) The construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any. (c) Beyond one kilometer it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.
13.	Small scale nonpolluting industries.	Non-polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February 2016 and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent authority.
14.	Felling of trees.	(a) There shall be no felling of trees on the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the competent authority in the State Government. (b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder.
15.	Collection of Forest Produce or Non-Timber Forest Produce (NTFP).	Regulated under applicable laws.
16.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws (underground cabling may be promoted).
17.	Infrastructure including civic amenities.	Shall be done with mitigation measures, as per applicable laws, rules, regulations and available guidelines.
18.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Shall be done with mitigation measures, as per applicable laws, rules, regulations and available guidelines.
19.	Undertaking other activities related to tourism like over flying the Eco-sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, microlites, etc.	Regulated under applicable laws.
20.	Protection of hill slopes and river banks.	Regulated under applicable laws.
21.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.
22.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted under applicable laws for use of locals.
23.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, companies, etc.	Regulated under applicable laws.
24.	Discharge of treated waste water/effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water/effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water, and the discharge of treated waste water/effluent shall be regulated as per applicable laws.
25.	Commercial extraction of surface and ground water.	Regulated under applicable laws.
26.	Open well, bore well etc. for agriculture or other usage.	Regulated under applicable laws and the activity shall be monitored by the concerned authority.
27.	Solid waste management.	Regulated under applicable laws.
28.	Introduction of exotic species.	Regulated under applicable laws.
29.	Eco-tourism.	Regulated under applicable laws.

30.	Use of polythene bags.	Regulated under applicable laws.
31.	Commercial sign boards and hoardings.	Regulated under applicable laws.
C. Promoted Activities		
32.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
33.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
34.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
35.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
36.	Use of renewable energy and fuels.	Bio gas, solar light, etc. shall be actively promoted.
37.	Agro-forestry.	Shall be actively promoted.
38.	Plantation of horticulture and herbals.	Shall be actively promoted.
39.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.
40.	Skill development.	Shall be actively promoted.
41.	Restoration of degraded land/ forests/ habitat.	Shall be actively promoted.
42.	Environmental awareness.	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee.- The Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, for effective monitoring of the Eco-sensitive Zone, comprising of the following, namely: -

S. No.	Constituent of Monitoring Committee	Designation
1.	District Collector, Bharatpur	Chairman;
2.	Representative of District Collector, Karauli	Member;
3.	Member-Secretary or Member, Rajasthan State Biodiversity Board	Member;
4.	Superintendent of Police, Bharatpur	Member;
5.	A representative of Non-Governmental Organisation working in the field of wildlife conservation to be nominated by the State Government	Member;
6.	One expert in ecology from a recognised institution or university of the State	Member;
7.	District level officers of the Departments of- (i) Public Works Department; (ii) Irrigation; (iii) Tourism and (iv) Mining	Member;
8.	Regional Officer of the State Pollution Control Board	Member;
9.	Honorary Wildlife Warden Bharatpur	Member;
10.	Deputy Conservator of Forest (Wildlife), Bharatpur	Member-Secretary.

6. Terms of reference. – (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

(2) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee shall be constituted by the State Government.

(3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.

(4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinsed by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.

(5) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986 against any person who contravenes the provisions of this notification.

(6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.

(7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma appended at Annexure V.

(8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. Additional measures.- The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. Supreme Court, etc. orders.- The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or High Court or National Green Tribunal.

[F. No. 25/56/2015-ESZ-RE]

Dr. SATISH C. GARKOTI, Scientist 'G'

ANNEXURE- I

BOUNDARY DESCRIPTION OF ECO-SENSITIVE ZONE OF THE BANDH-BARETHA WILDLIFE SANCTUARY

- North : Forest Block Nehroli Kheri Dang, Sookha Shila and Banshi Pahadpur Blocks
- South : Forest Block boundaries of Sookha Shila, Banshi Pahad Darvaahna, Kot and Vajna blocks
- East : Block boundary of Vajna forest block
- West : Forest block boundaries of Nahroli, Shahpur, Darvarahna and Vajna forest blocks

The Eco-Sensitive Zone will be the area falling within one kilometer from the above mentioned boundaries of the Wildlife Sanctuary on three (south, west and north) sides, however on the eastern side for Banshi Pahadpur A and Banshi Pahadpur B blocks as well as the part of Sookha shila block facing towards Banshi Pahadpur B block the Eco-sensitive Zone width will be 25 meters from the blocks boundary. The revenue area falling within the Sanctuary entire area will be treated as Eco-sensitive Zone.

ANNEXURE- IIA

MAP OF BANDH-BARETHA WILDLIFE SANCTUARY AND ITS ECO-SENSITIVE ZONE

(i) Part 1

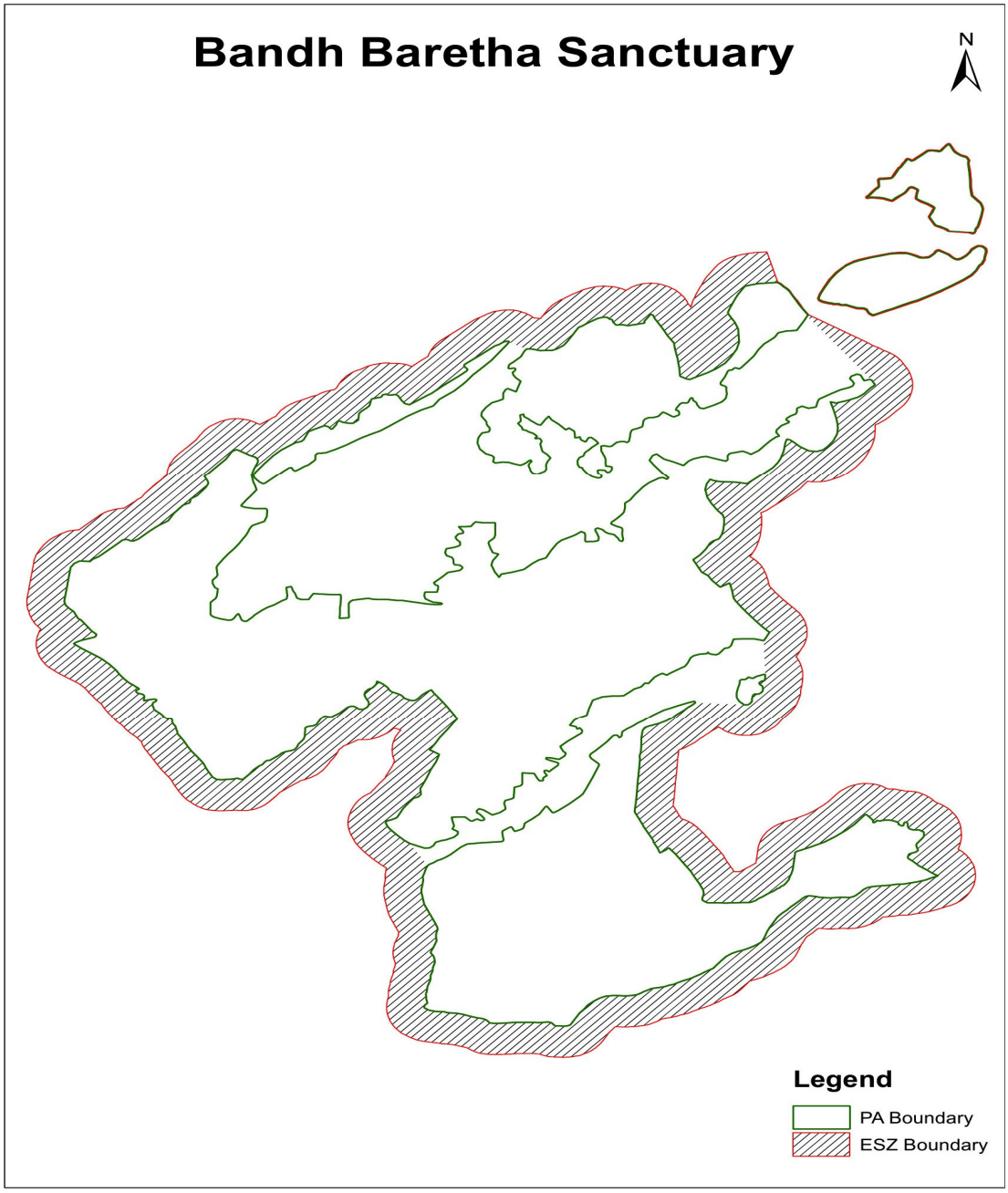

(ii) Part 2

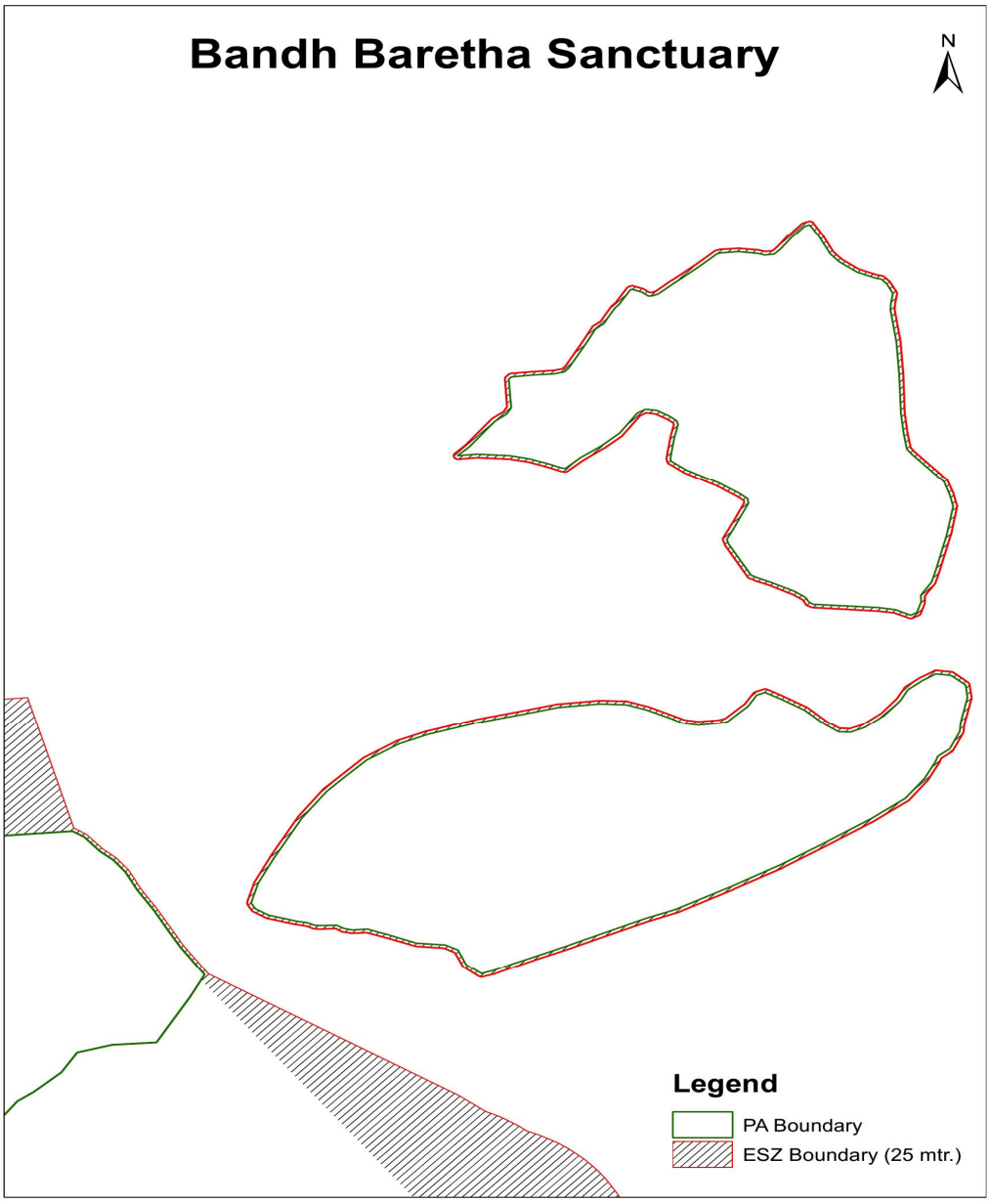
Bandh Baretha Sanctuary
N
Legend
PA Boundary
ESZ Boundary (25 mtr.)

ANNEXURE- IIB

GOOGLE MAP OF BANDH-BARETHA WILDLIFE SANCTUARY AND ITS ECO-SENSITIVE ZONE

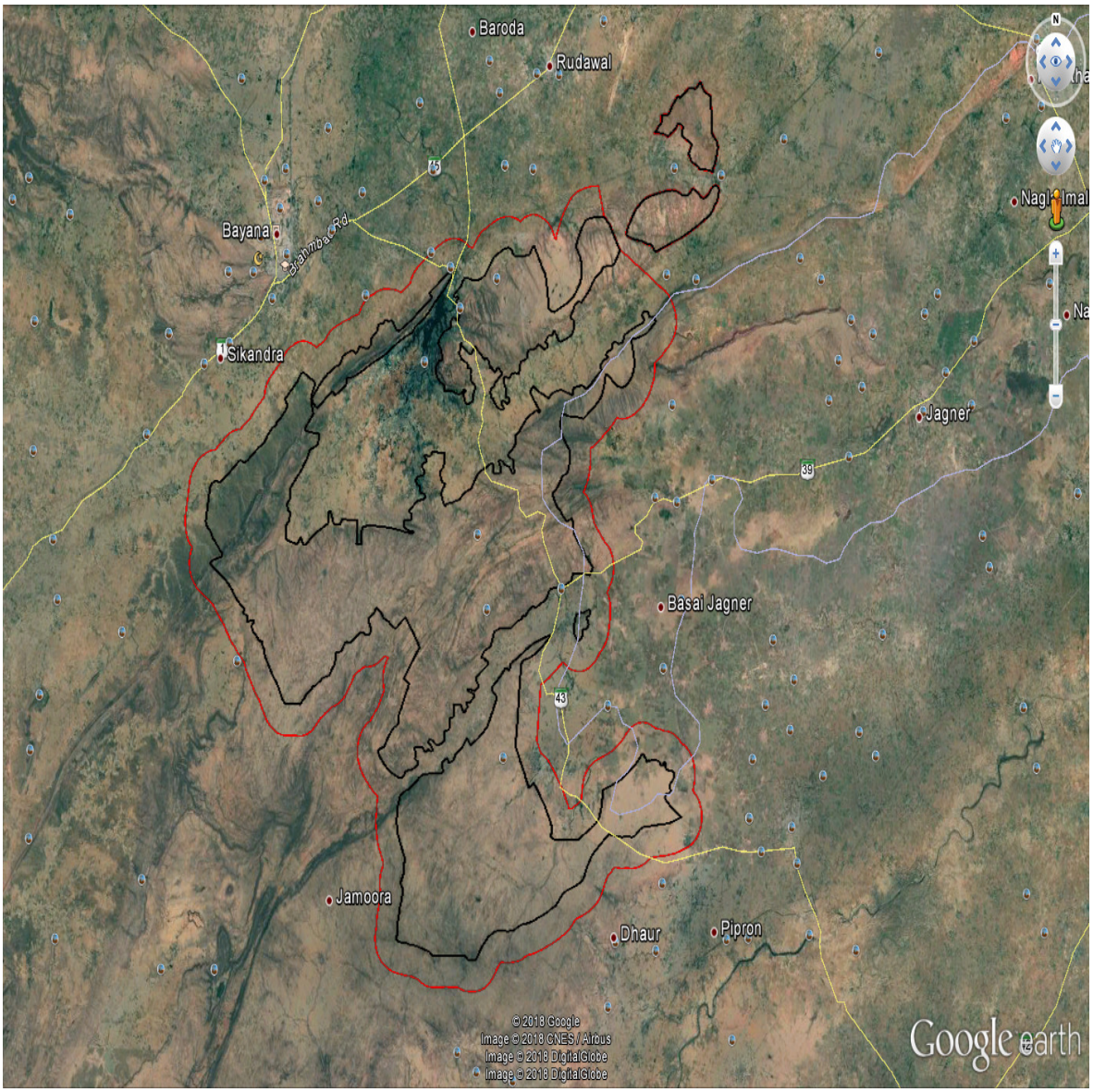

ANNEXURE- IIC

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF BANDH-BARETHA WILDLIFE SANCTUARY ON SURVEY OF INDIA (SOI) TOPOSHEET

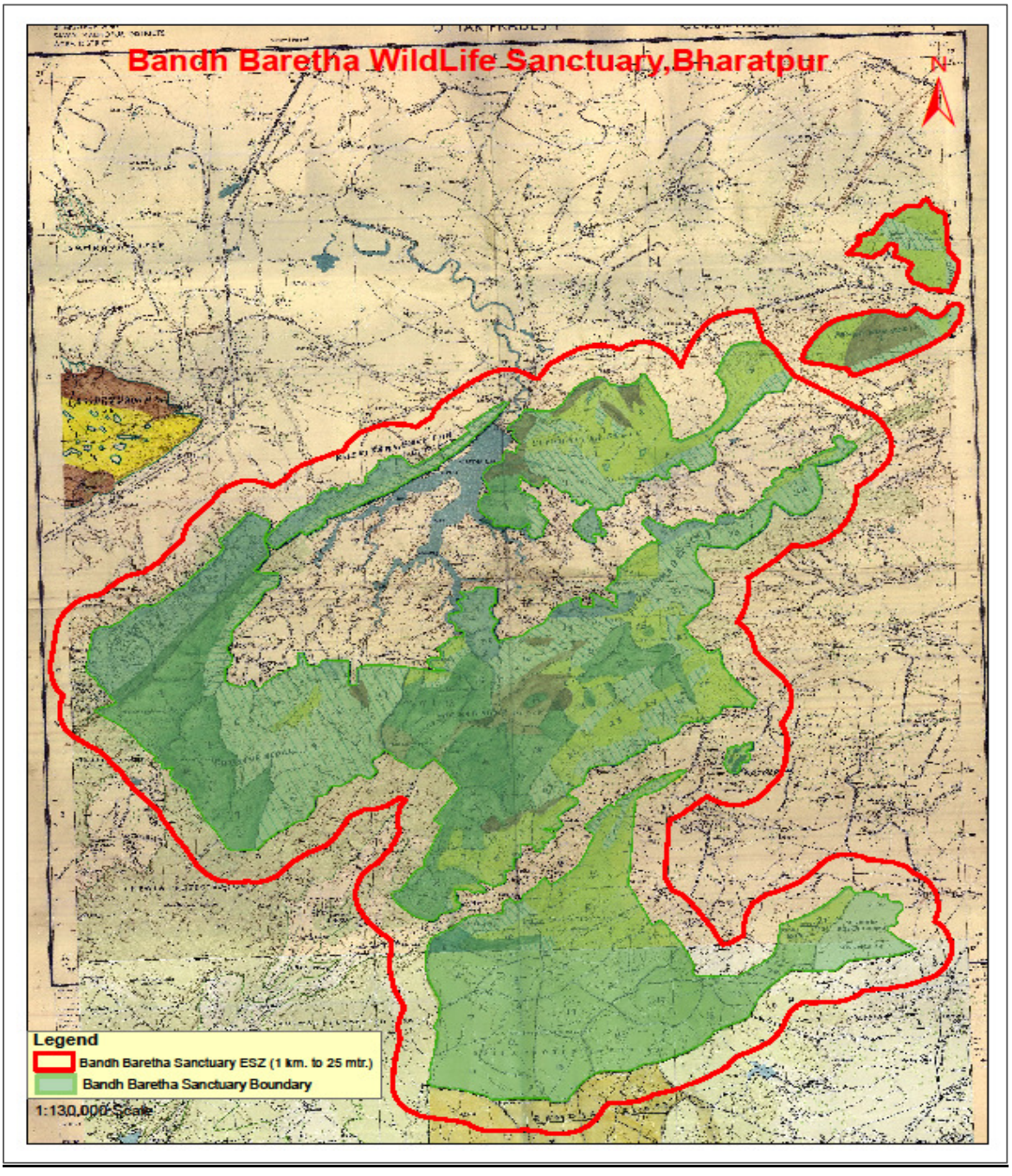

ANNEXURE- IID

LAND-USE MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF BANDH-BARETHA WILDLIFE SANCTUARY

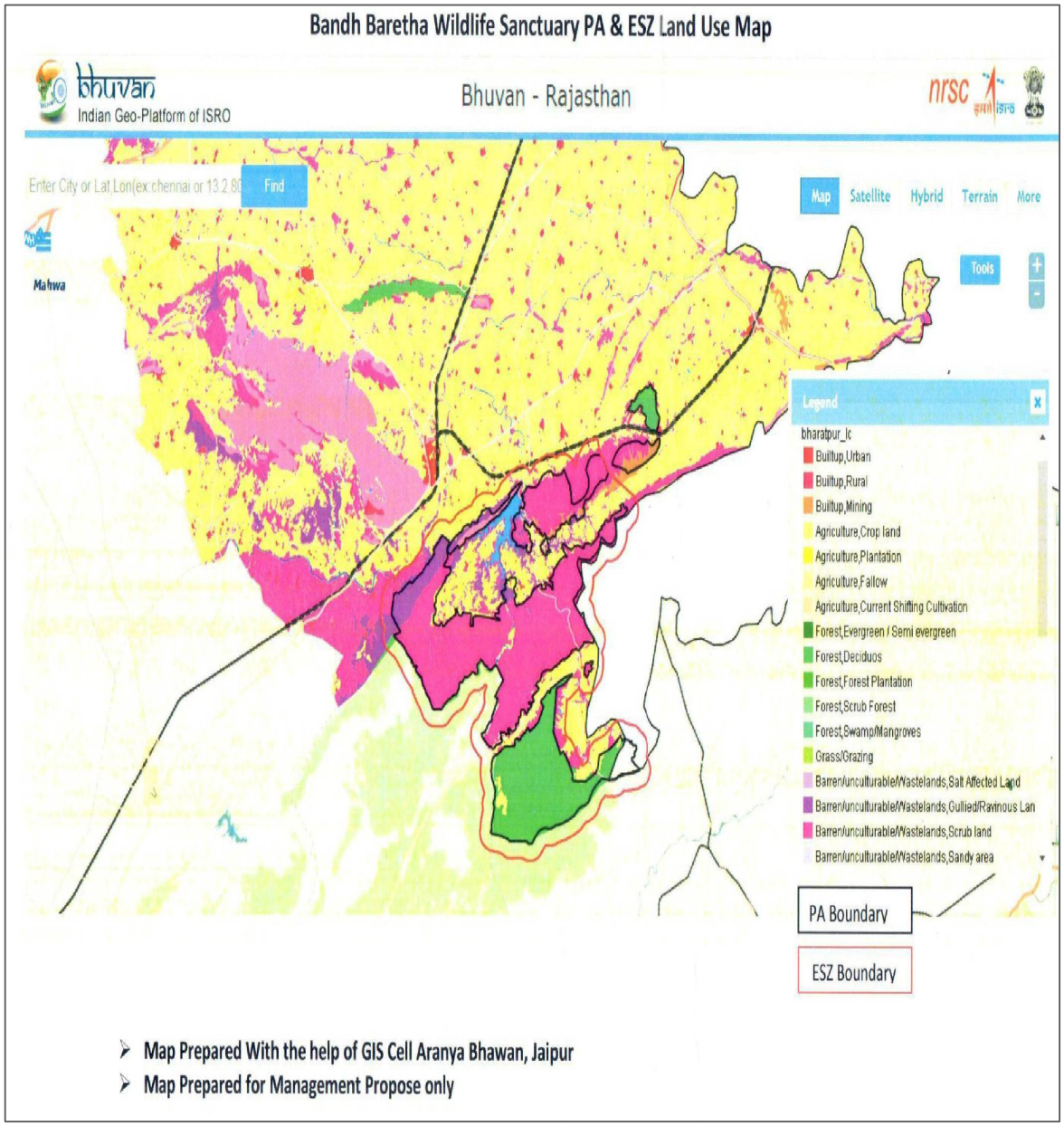

ANNEXURE- IIE

DRAINAGE MAP OF BANDH-BARETHA WILDLIFE SANCTUARY & ITS ECO-SENSITIVE ZONE

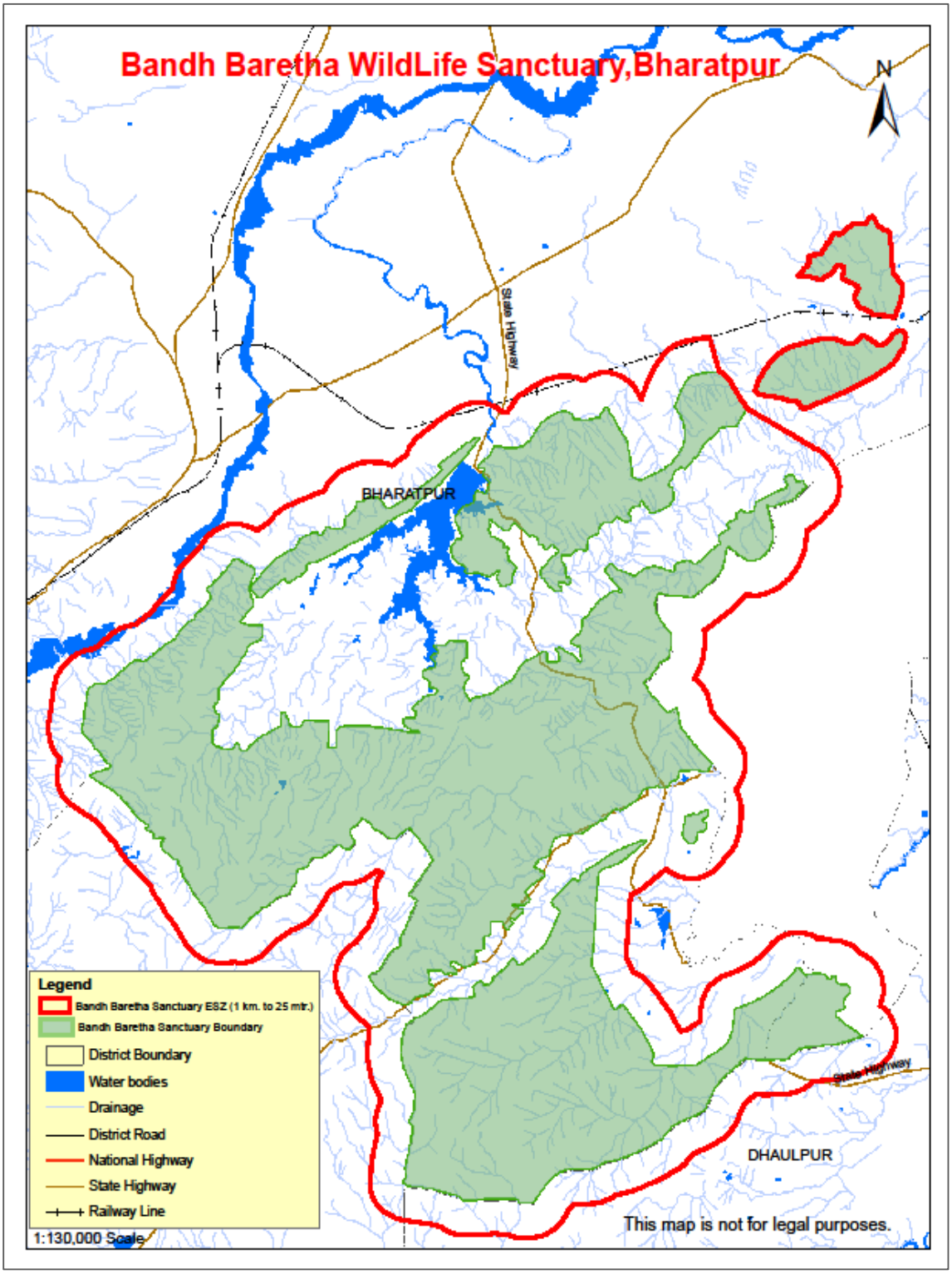

ANNEXURE- IIF

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF BANDH-BARETHA WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS

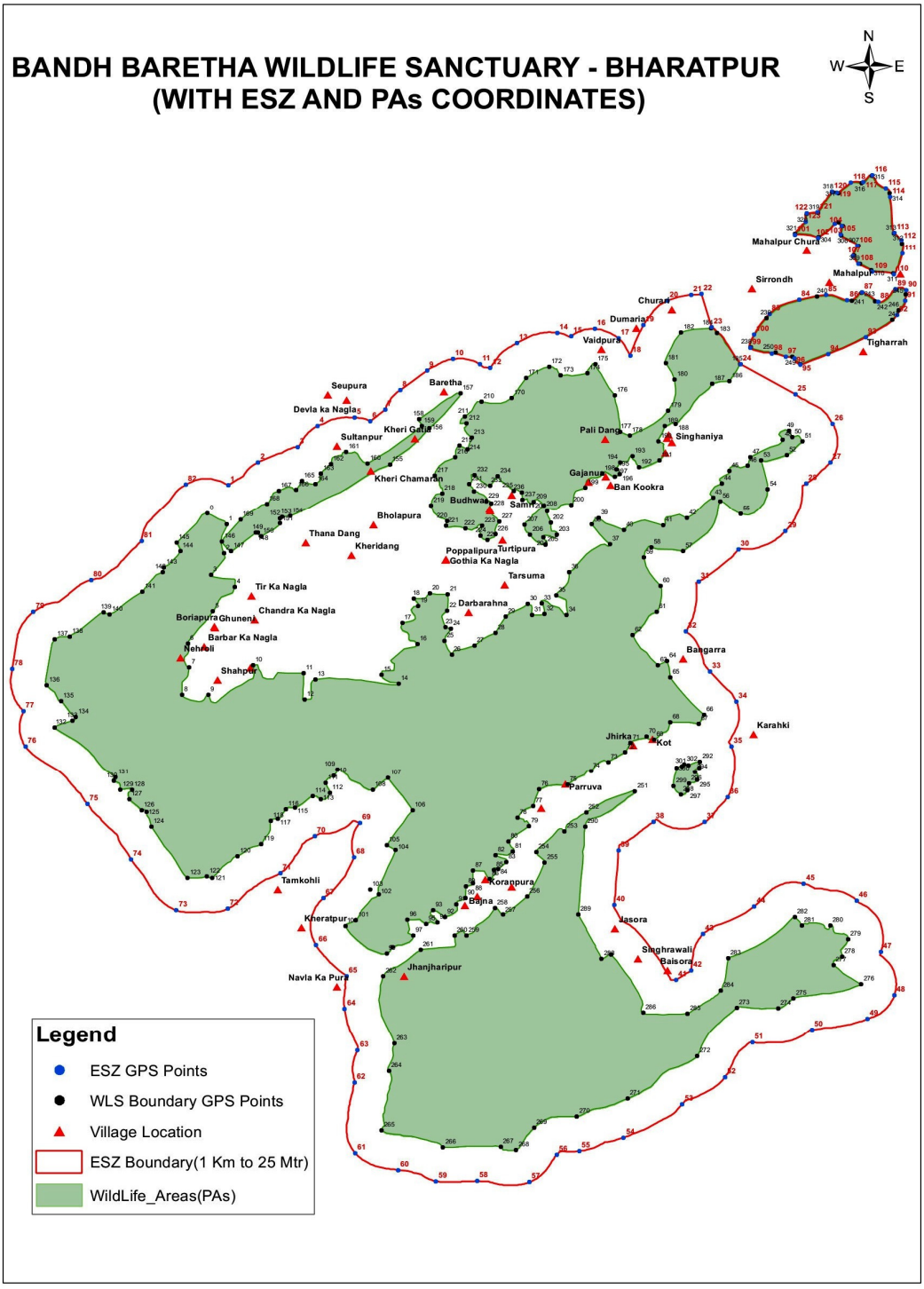

ANNEXURE-III

TABLE A: Geo-coordinates of prominent locations of Bandh-Baretha Wildlife Sanctuary

Sl. No.	Longitude	Latitude
0	77° 29' 49.058" E	26° 57' 24.991" N
1.	77° 30' 2.831" E	26° 56' 40.281" N
2.	77° 30' 2.831" E	26° 56' 40.281" N
3.	77° 29' 9.866" E	26° 56' 38.807" N
4.	77° 28' 46.032" E	26° 56' 37.636" N
5.	77° 28' 34.082" E	26° 56' 59.161" N
6.	77° 29' 22.679" E	26° 57' 27.800" N
7.	77° 30' 12.488" E	26° 55' 32.823" N
8.	77° 29' 31.549" E	26° 55' 2.417" N
9.	77° 28' 48.729" E	26° 54' 44.259" N
10.	77° 27' 58.193" E	26° 54' 49.484" N
11.	77° 27' 40.833" E	26° 55' 11.163" N
12.	77° 28' 6.586" E	26° 55' 33.166" N
13.	77° 28' 51.979" E	26° 55' 41.560" N
14.	77° 29' 29.150" E	26° 55' 43.358" N
15.	77° 28' 23.567" E	26° 53' 25.223" N
16.	77° 26' 56.720" E	26° 52' 30.748" N
17.	77° 25' 53.923" E	26° 51' 9.242" N
18.	77° 26' 28.046" E	26° 49' 1.690" N
19.	77° 24' 53.902" E	26° 48' 27.978" N
20.	77° 22' 54.886" E	26° 47' 2.874" N
21.	77° 21' 22.284" E	26° 46' 4.494" N
22.	77° 21' 3.475" E	26° 47' 15.208" N
23.	77° 20' 5.770" E	26° 48' 7.992" N
24.	77° 18' 2.917" E	26° 46' 48.850" N
25.	77° 16' 35.904" E	26° 48' 14.955" N
26.	77° 15' 45.870" E	26° 49' 21.440" N
27.	77° 17' 4.923" E	26° 51' 27.519" N
28.	77° 18' 17.381" E	26° 51' 33.166" N
29.	77° 18' 17.921" E	26° 55' 10.046" N
30.	77° 21' 29.703" E	26° 50' 19.9076" N
31.	77° 23' 27.569" E	26° 50' 54.544" N
32.	77° 24' 51.229" E	26° 52' 18.312" N
33.	77° 27' 7.512" E	26° 52' 59.424" N
34.	77° 25' 47.878" E	26° 53' 8.104" N
35.	77° 23' 44.802" E	26° 52' 35.214" N
36.	77° 22' 11.189" E	26° 52' 50.289" N
37.	77° 24' 53.491" E	26° 54' 39.923" N
38.	77° 26' 34.727" E	26° 55' 13.498" N
39.	77° 26' 28.277" E	26° 48' 26.259" N
40.	77° 26' 1.212" E	26° 48' 1.180" N

41.	77^{0} 25' 20.406" E	26^{0} 47' 59.639" N
42.	77°25'20.475''E	26°44'33.356''N
43.	77°28'54.272''E	26°45'38.629''N
44.	77°26'54.335''E	26°44'29.626''N
45.	77°23'9.376''E	26°42'25.891''N
46.	77°20'57.986''E	26°43'44.169''N
47.	77°22'11.262''E	26°45'42.631''N
48.	77°23'41.877''E	26°47'9.687''N
49.	77°22'32.409''E	26°54'19.642''N
50.	77°20'25.665''E	26°52'49.166''N
51.	77°18'42.189''E	26°52'25.896''N
52.	77°20'24.829''E	26°53'23.797''N

TABLE B: Geo-coordinates of prominent locations of Eco-sensitive Zone

Sl. No.	Longitude	Latitude
1.	77°29'42.472''E	26°57'34.841''N
2.	77°30'1.676''E	26°57'17.596''N
3.	77°30'4.204''E	26°56'0.658''N
4.	77°29'24.271''E	26°56'30.030''N
5.	77°29'9.331''E	26°56'48.716''N
6.	77°28'22.095''E	26°56'40.509''N
7.	77°29'2.722''E	26°57'20.438''N
8.	77°30'33.157''E	26°55'47.160''N
9.	77°30'0.374''E	26°55'16.684''N
10.	77°29'7.677''E	26°54'51.539''N
11.	77°28'22.919''E	26°54'37.527''N
12.	77°27'32.705''E	26°54'54.277''N
13.	77°27'53.488''E	26°55'26.070''N
14.	77°28'12.961''E	26°55'36.009''N
15.	77°29'13.955''E	26°55'36.722''N
16.	77°26'43.710''E	26°55'46.377''N
17.	77°27'22.190''E	26°54'39.717''N
18.	77°28'59.751''E	26°53'24.296''N
19.	77°28'22.126''E	26°52'37.307''N
20.	77°27'9.480''E	26°51'39.990''N
21.	77°26'20.142''E	26°50'27.208''N
22.	77°27'9.624''E	26°49'4.872''N
23.	77°26'54.485''E	26°47'49.998''N
24.	77°25'38.735''E	26°47'30.294''N
25.	77°25'0.000''E	26°46'3.057''N
26.	77°25'53.167''E	26°45'1.101''N
27.	77°27'10.886''E	26°46'2.520''N

28.	77°29’27.884’’E	26°45’19.205’’N
29.	77°27’18.141’’E	26°43’59.502’’N
30.	77°25’54.866’’E	26°42’58.740’’N
31.	77°23’46.454’’E	26°42’16.479’’N
32.	77°20’31.303’’E	26°42’19.083’’N
33.	77°20’27.475’’E	26°44’2.482’’N
34.	77°19’43.504’’E	26°46’7.480’’N
35.	77°20’30.668’’E	26°47’38.743’’N
36.	77°18’33.757’’E	26°46’30.357’’N
37.	77°17’10.839’’E	26°46’27.244’’N
38.	77°16’2.237’’E	26°47’53.802’’N
39.	77°14’49.077’’E	26°49’9.129’’N
40.	77°14’48.526’’E	26°50’39.796’’N
41.	77°15’43.076’’E	26°51’19.927’’N
42.	77°16’55.321’’E	26°52’4.564’’N
43.	77°18’30.442’’E	26°52’58.767’’N
44.	77°19’46.369’’E	26°53’36.617’’N
45.	77°21’5.907’’E	26°54’0.457’’N
46.	77°23’1.890’’E	26°54’42.621’’N
47.	77°24’27.154’’E	26°55’9.503’’N
48.	77°25’27.934’’E	26°54’51.996’’N

ANNEXURE-IV

LIST OF VILLAGE AREA COMING UNDER ECO-SENSITIVE ZONE OF BANDH-BARETHA SANCTUARY ALONG WITH GEO-COORDINATES

Sl. No.	Village name	Longitude	Latitude
1.	Sirrond	77° 27’ 56.537” E	26° 55’ 20.751” N
2.	Karanpura	77° 25’ 13.294” E	26° 54’ 55.545” N
3.	Churari Dang	77° 26’ 15.821” E	26° 55’ 31.624” N
4.	Bansi	77° 28’ 47.863” E	26° 55’ 5.347” N
5.	Bastrawali	77° 23’ 40.073” E	26° 54’ 40.864” N
6.	Singhara	77° 19’ 45.287” E	26° 53’ 26.937” N
7.	Gothra	77° 24’ 4.128” E	26° 55’ 4.710” N
8.	Mahmadpura	77° 22’ 33.675” E	26° 54’ 35.292” N
9.	Palidang	77° 24’ 34.943” E	26° 54’ 12.204” N
10.	Khohri	77° 28’ 5.557” E	26° 53’ 55.634” N
11.	Dumriya	77° 25’ 47.546” E	26° 54’ 7.508” N
12.	Bangaspura	77° 21’ 8.386” E	26° 53’ 57.599” N
13.	Singhaniya	77° 27’ 17.639” E	26° 53’ 25.315” N

14.	Sookha Seela	77° 22’ 39.632” E	26° 53’ 20.584” N
15.	Chahai	77° 18’ 56.002” E	26° 53’ 11.611” N
16.	Sulanpur	77° 20’ 33.375” E	26° 53’ 32.541” N
17.	Tarbeejpur	77° 26’ 9.729” E	26° 53’ 7.211” N
18.	Shergarh	77° 17’ 43.464” E	26° 52’ 49.265” N
19.	Gujnua	77° 24’ 56.718” E	26° 52’ 35.478” N
20.	Kheri Dang	77° 20’ 37.612” E	26° 52’ 35.153” N
21.	Thana Dang	77° 19’ 15.464” E	26° 52’ 13.502” N
22.	Samri	77° 24’ 3.486” E	26° 52’ 13.330” N
23.	Mangren Kalan	77° 27’ 2.892” E	26° 52’ 35.286” N
24.	Turtipura	77° 22’ 9.209” E	26° 52’ 5.071” N
25.	Ban Kookra	77° 26’ 9.096” E	26° 52’ 12.020” N
26.	Budhawar	77° 23’ 7.974” E	26° 52’ 0.883” N
27.	Sikandara	77° 16’ 57.955” E	26° 51’ 56.619” N
28.	Khulawali	77° 21’ 28.821” E	26° 52’ 10.535” N
29.	Popalpura	77° 21’ 57.042” E	26° 51’ 46.187” N
30.	Nahroli	77° 16’ 22.523” E	26° 51’ 19.494” N
31.	Ghunaini	77° 16’ 22.523” E	26° 51’ 19.494” N
32.	Chainpura	77° 20’ 53.293” E	26° 51’ 19.054” N
33.	Tarsooma	77° 24’ 27.744” E	26° 50’ 58.381” N
34.	Shahpur	77° 18’ 21.886” E	26° 49’ 6.346” N
35.	Dar Barahna	77° 22’ 51.181” E	26° 50’ 16.804” N
36.	Dhorairi	77° 14’ 51.841” E	26° 50’ 9.592” N
37.	Puraharlel	77° 15’ 38.491” E	26° 50’ 30.721” N
38.	Seopura	77° 19’ 45.624 E	26° 49’ 18.066” N
39.	Gurdha Dang	77° 20’ 59.464” E	26° 49’ 22.213” N
40.	Singhban Dang	77° 20’ 58.357” E	26° 50’ 37.187” N
41.	Bajna	77° 25’ 30.971 E	26° 48’ 49.054” N
42.	Parua	77° 23’ 19.195” E	26° 48’ 18.775” N
43.	Danda	77° 16’ 22.979” E	26° 48’ 1333” N
44.	Jhatola	77 ° 14’ 57.193” E	26° 48’ 57.541” N
45.	Timkoli	77° 20’ 21.033” E	26° 46’ 28.941” N
46.	Kot	77° 22’ 14.914” E	26° 45’ 28.055” N
47.	Kani	77° 24’ 53.267” E	26° 47’ 7.000” N
48.	Nawalapura	77° 17’ 18.753” E	26° 46’ 44.407” N
49.	Samantgarh	77° 27’ 8.916” E	26° 45’ 46.4485” N
50.	Jaisora	77° 24’ 12.028” E	26° 45’ 14.832” N
51.	Baisore	77° 24’ 12.028” E	26° 45’ 14.832” N
52.	Kotra	77° 28’ 55.656” E	26° 44’ 15.579” N
53.	Jamoora	77° 20’ 35.261” E	26° 44’ 44.488” N

54.	Chak Samantgarh	77° 27’ 0.940” E	26° 44’ 44.222” N
55.	Dhaur	77° 27’ 0.497” E	26° 43’ 33.886 N
56.	Singhrawali	77° 23’ 20.143” E	26° 43’ 18.997” N
57.	Khanpura	77° 24’ 48.106” E	26° 42’ 44.488” N
58.	Bansrai	77° 23’ 53.521” E	26° 42’ 36.135” N
59.	Nayapura Radhol	77° 21’ 29.715” E	26° 42’ 4.159” N
60.	Barman	77° 22’ 49.778” E	26° 42’ 7.236” N
61.	Mahalpur Choora	77° 28’ 54.515” E	26° 56’ 54.789” N
62.	Paharpur	77° 29’ 41.116” E	26° 56’ 55.137” N

Annexure –V

Performa of Action Taken Report: - Eco-sensitive Zone Monitoring Committee.-

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: Mention main noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure.
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt for rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006. Details may be attached as separate Annexure.
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006. Details may be attached as separate Annexure.
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

ALOK KUMAR
Digitally signed by ALOK KUMAR
Date: 2019.01.02 14:44:05 +05'30'